जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 78 दिनांक: 01-03-2022 मंगलवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

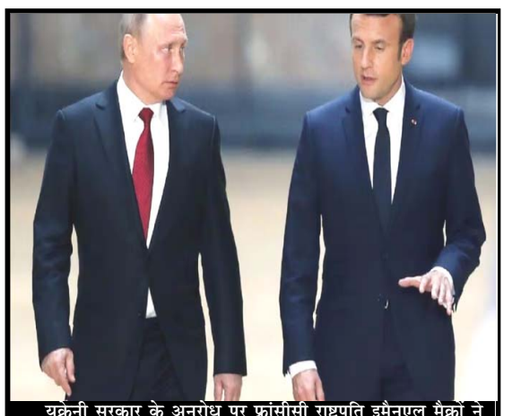

यूक्रेनी सरकार के अनुरोध पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से बात की है। एलिसी पैलेस ने एक बयान में यह जानकारी दी। राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की मांग को दोहराया कि रूस यूक्रेन के खिलाफ अपने हमले को रोके और तुरंत युद्धविराम करे। वहीं, इस बातचीत के दौरान पुतिन ने तीन शर्तें रखीं।

केंद्र सरकार ने आपरेशन गंगा के तहत एक मिशन की शुरुआत की है। इसके जरिए एयर इंडिया की उड़ानों से वहां फंसे भारतीय नागरिक अपने वतन लौट रहे हैं। इस आपरेशन के तहत पहली एयर इंडिया की उड़ान शनिवार को मुंबई आई थी।

खार्कीव में घमासान, रूसी मिसाइलें परमाणु हमले को तैयार, रूस-यूक्रेन वार्ता में नहीं बनी सहमति, अमेरिका का बड़ा एक्शन

मास्को । परमाणु हथियारों के लिए जिम्मेदार रणनीतिक बल को हाई अलर्ट पर लाने के बाद रूस ने सोमवार को एटम बमों से लैस मिसाइलों को हमले के लिए तैयार रखने का आदेश दे दिया। परमाणु हमले से संबंधित यूनिट के कर्मियों की छुट्टियां रद कर दी गई हैं और उन्हें पूरे 24 घंटे अलर्ट मोड में रहने के आदेश दिया गया है। रूस के कदम से सतर्क हुए अमेरिका ने अपने दूतावास कर्मियों को परिवार वापस भेजने के लिए कहा है। साथ ही बेलारूस का दूतावास बंद कर दिया है। बेलारूस में साढ़े तीन घंटे चली वार्ता में यूक्रेन ने रूस से क्रीमिया और डोनबास (डोनेस्क और लुहांस्क) से सेना हटाने के लिए कहा है। वार्ता में दोनों पक्षों कोई सहमति नहीं बन पाई है। इस बीच यूक्रेन में छिड़े युद्ध में रूस ने सोमवार को बर्डीक्स और एनेरहोडर कस्बों पर कब्जा कर लिया। बर्डीक्स में यूक्रेन का नौसैनिक अड्डा भी है, वह भी रूसी सेना के कब्जे में आ गया है। राजधानी कीव पर रूसी सेना के चौतरफा हमले बदस्तूर जारी हैं।

यूक्रेन पर रूसी हमला पांचवे दिन भी जारी है। कीव पर मिसाइल हमले के साथ ही गुरुवार को युद्ध की शुरुआत हुई थी लेकिन महज एक दिन में कीव के नजदीक पहुंची रूसी सेना चार दिन में पूरा जोर लगाने के बावजूद यूक्रेनी राजधानी में दाखिल नहीं हो पाई है। दूसरे बड़े शहर खार्कीव में दाखिल होने के कुछ घंटे बाद ही कड़े प्रतिरोध के चलते रूसी सेना को बाहर निकलना पड़ा। वहां पर रविवार और सोमवार की पूरी रात भारी रूसी गोलाबारी हुई है। अन्य प्रमुख शहरों पर भी कब्जे के लिए रूसी सेना ऐसे ही हमले कर रही है।

समाचार एजेंसी एएफपी ने खार्कीव के गवर्नर के बयान के हवाले से बताया कि यूक्रेन के इस दूसरे बड़े शहर में रूसी सैनिकों की गोलीबारी में 11 नागरिकों की मौत हो गई। वहीं समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेनी जवानों के पास भले ही भारी हथियारों की कमी हो लेकिन मजबूत इरादों से लबरेज इन रणबांकुरों ने राजधानी कीव समेत दूसरे शहरों में रूसी सेना की रफ्तार रोक दी है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जानसन से टेलीफोन वार्ता में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अगले 24 घंटे यूक्रेन के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताए हैं। इस बीच रूस के आसपास के 36 देशों ने उसके विमानों के लिए हवाई प्रतिबंध लगा दिया है। इसके चलते कई दिशाओं में रूस का रास्ता रुक गया है। कड़े आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये रूस को अलग-थलग करने की मुहिम भी जारी है।

इन्हीं परिस्थितियों में बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंकों ने विश्व युद्ध छिड़ने की आशंका जताई है। पश्चिमी देशों ने रूस के मित्र देश बेलारूस पर भी प्रतिबंध लगाए जाने के संकेत दिए हैं। इस बीच बेलारूस में हुए जनमत संग्रह में 65 प्रतिशत से ज्यादा लोगों ने परमाणु हथियार विहीन देश का दर्जा त्यागने के पक्ष में मत दिया है। यूक्रेन ने दावा किया है कि हमले के लिए आए 5,300 रूसी सैनिकों को मार गिराया गया है। इसके अतिरिक्त 151 रूसी टैंक, 29 लड़ाकू विमान और 29 ही हेलीकाप्टर भी जवाबी कार्रवाई में नष्ट किए गए हैं। जबकि रूसी हमले में यूक्रेन के 14 बच्चों समेत कुल 352 लोगों के मारे जाने और 1,684 लोगों के घायल होने की खबर है। एक अनुमान के अनुसार यूक्रेन में अभी तक रूस की ओर से 350 से ज्यादा मिसाइल हमले हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने यूक्रेन से पांच लाख से ज्यादा लोगों के पलायन की बात कही है। कहा है कि ये लोग यूक्रेन के पड़ोसी देशों में पहुंचे हैं। अगर पलायन इसी गति से जारी रहा, तो आने वाले दिनों में बड़ी समस्या पैदा हो सकती है। इस बीच वेटिकन में पोप फ्रांसिस के कार्यालय ने कहा है कि युद्ध रोकने के लिए वह मध्यस्थता करने को तैयार है। पोप ने तेजी से बिगड़ रहे हालात पर भी चिंता जताई है। रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय के अनुसार फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से फोन पर वार्ता में पुतिन ने क्रीमिया पर रूस का अधिकार स्वीकृत करने, यूक्रेन के विसैन्यीकरण और यूक्रेन की भूमिका निष्पक्ष देश की रखे जाने की शर्त रखी है। इन शर्तो के माने जाने पर रूस ने तत्काल युद्धविराम किए जाने की बात कही है। जबकि फ्रांसीसी राष्ट्रपति के कार्यालय ने नागरिक ठिकानों पर हमले रोके जाने पर रूसी समकक्ष के सहमत होने की बात कही है।

मणिपुर में 5 बजे तक 78.03 फीसद हुई वोटिंग, कीथलमनबी में ईवीएम तोड़ने की शिकायत

इंफाल। मणिपुर विधानसभा चुनाव का पहला चरण आज शुरू हो गया है। इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, चुराचांदपुर, बिष्णुपुर और कांगपोकपी समेत पांच जिलों के 38 निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग हो रही है। चुनाव की शुरुआत में ही लोग बढ़-चढ़कर मतदान कर रहे हैं और बंपर वोट दर्ज किया गया है। केंद्रों के बाहर मतदाताओं की लंबी कतारें नजर आ रहीं हैं।

गौरतलब है कि पहले चरण में 15 महिलाओं समेत कुल 173 उम्मीदवार इस चुनाव मैदान में अपनी किस्मत अजमा रहे हैं। वहीं आज वोटिंग शुरू होते ही मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह और डिप्टी सीएम एवं उरीपोक से एनपीपी उम्मीदवार युमनाम जायकुमार सिंह ने वोट डालकर जीत का दावा किया है। चुनाव आयोग के अनुसार पहले चरण में शाम 5 बजे तक 78.03 फीसद मतदान दर्ज किया गया है। कंगपोकपी जिले में सबसे ज्यादा वोटिंग दर्ज की गई है।

मणिपुर के मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश अग्रवाल ने बताया कि कीथलमनबी में कुछ समर्थकों और राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों ने मतदान को बाधित किया है और ईवीएम मशीन को तोड़ा गया है। इसके कारण चुनाव प्रक्रिया में देरी हुई है। अधिकारी के अनुसार आयोग जांच कर रहा है और इसपर विचार किया जा रहा है कि आज यहां मतदान जारी रखना है या फिर से मतदान कराया जाएगा।

हिंगांग से सीएम और बीजेपी उम्मीदवार एन बीरेन सिंह इम्फाल के श्रीवन हाई स्कूल में वोट डालने पहुंचे। वोटिंग के बाद उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद कर रहा हूं कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र के 75ज्ञ लोग बीजेपी और मुझे वोट देंगे। बीजेपी पहले चरण में 38 में से कम से कम 30 सीटों की उम्मीद कर रही है। इस दौरान उन्होंने सभी लोगों से वोट डालने की अपील भी की, बीरेन ने कहा- मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ अन्य मतदाताओं से अनुरोध करता हूं कि वे अपना बहुमूल्य वोट दें और संविधान द्वारा दी गई लोकतांत्रिक शक्ति का उपयोग करें। मणिपुर के राज्यपाल ला गणेशन ने भी इम्फाल में तम्फासना गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में वोट किया। वोट डालने के बाद उन्होंने कहा कि, ठमैं मणिपुर के सभी लोगों से अपील करता हूं कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करें क्योंकि हमारे देश में लोकतंत्र है और लोकतंत्र की निशानी चुनाव है।

भारतीय छात्रों को अब प्रताड़ित कर रही यूक्रेनी सेना, पोलैंड बार्डर पर भूखे-प्यासे भारतीय छात्रों के साथ मारपीट

नई दिल्ली। राजनयिक स्तर पर यूक्रेन भारत से मदद की अपील कर रहा है, लेकिन उसके जवान भारतीय छात्रों के साथ बुरा बर्ताव कर रहे हैं। माइनस पांच डिग्री सेल्सियस भी नीचे तापमान में सुरक्षित ठिकाने की तलाश में पोलैंड बार्डर पर पहुंच रहे छात्रों को यूक्रेन की सेना प्रताडित कर रही है। धक्कामुक्की करने के साथ ही उन्हें बार्डर पार करने से रोका जा रहा है।

मिड डे के मुताबिक पोलैंड सीमा पर एक सप्ताह से दो हजार से अधिक छात्र फंसे हुए हैं। रविवार को बार्डर से तीन किमी पहले चेक पोस्ट पर पहुंचे 250 छात्रों के समूह के साथ यूक्रेन की सेना मारपीट की और हवा में गोलियां चलाईं। लड़कियों पर भी हमला किया, उन्हें बालों से घसीटा गया। इसमें कई छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। छात्रों का आरोप है कि यूक्रेनी गार्ड और सैनिक पाकिस्तानी व कजाकिस्तान के छात्रों को तो जाने दे रहे हैं, लेकिन भारतीय और नाइजीरियाई छात्रों को सीमा पार करने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। इतना ही नहीं, वे भारतीय छात्रों से सीमा पार करने के लिए लगभग साढ़े सात हजार रुपये (3,006.39 यूक्रेनी मुद्रा) मांग रहे हैं। दिल्ली के मोहम्मद दानिश अल अंसारी का कहना था कि यूक्रेन के लोगों में कोई मानवता नहीं है। उन्होंने हमारी मदद नहीं की। वे खाली कारों और बसों में जा रहे हैं, लेकिन हमें लिफ्ट नहीं दे रहे।

लवीव विश्वविद्यालय में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे प्रिंस ने फोन पर बताया कि 25 फरवरी की रात को वे अपने दोस्तों के साथ पोलैंड बार्डर पर पहुंचे थे। बार्डर से पहले ही यूक्रेनी सेना ने बैरिकेउडग कर दी। उन्होंने भारतीय छात्रों को पोलैंड जाने की इजाजत नहीं दी और कारण पूछने पर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

पोलैंड सीमा पर लवीव में बैठे अमृतसर के जगजीत सिंह, जालंधर के जुगराज सिंह व कमलजीत सिंह, बटाला के हरजिंदर सिंह व पटियाला के गुरफतेह सिंह यूक्रेन के अधिकारियों के दुर्व्यवहार से चिंतित हैं। कीव यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस कर रहे इन छात्रों ने दैनिक जागरण को फोन पर बताया कि यूक्रेन के अधिकारी गोली मारने की धमकी दे रहे हैं। वे कह रहे हैं कि हमारे देश में सबसे ज्यादा भारतीय मेडिकल की पढ़ाई करते हैं। फिर भी भारत ने रूस का साथ दिया है। आप शराफत से पीछे चले जाओ, यदि शोर मचाया तो गोली मार देंगे।' जगजीत सिंह सन्नी ने बताया कि सोमवार सुबह साढ़े छह बजे से न तो चाय नसीब हुई और न ही पानी। यूक्रेन के सुरक्षा अधिकारी उनसे कहते हैं कि अपने प्रधानमंत्री मोदी को बुलाओ, अब वही तुम्हें यहां से भारत ले जा सकते हैं।

लखनऊ की शिखा यादव का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह एक एजेंट से बात करते हुए कह रही हैं कि भारत सुरक्षित पहुंचाने के नाम पर आठ से दस लाख फूंक चुकी हूं। बैठे-बैठे तीन हजार डालर भी आपको दे दिए। अब आप सुबह-शाम की रट लगा रहे हैं। आपने ही गारंटी दी थी कि सुरक्षित निकाला जाएगा। अब आप बहाना बना रहे हैं। मेरी जान जाने वाली है, आप बोलते हैं कि मैं गुस्सा न करूं। कीव में हमारी जान खतरे में है। हर तरफ गोलियां बरस रही हैं। लोग मर रहे हैं, मुझे भी मौत आ जाएगी। मेरे मरने के बाद आप झंडा लेकर आएंगे क्या? बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अब कहां है? दो लोग यूनिवर्सिटी का गेट तोड़ गए। यदि ज्यादा लोग आएंगे तो हमें तोड़ जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा को नोटिस

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित अनेक नेताओं के नफरती भाषणों के लिए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए दायर याचिका पर उन्हें नोटिस जारी किए। आरोप है कि इन नेताओं के नफरती भाषणों की वजह से ही फरवरी, 2020 में दंगे हुए थे। याचिका में इन नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनके खिलाफ जांच शुरू करने के लिए पक्षकार बनाने का अनुरोध किया गया है।

उत्तर पूर्व दिल्ली में 2020 में हुए दंगों से जुड़ी अनेक याचिकाओं पर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदिरत्ता की पीठ ने उन सभी प्रस्तावित प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए जिनके जिनके खिलाफ याचिका में कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। पक्षकार बनाने के लिए एक याचिका शेख मुजतबा फारूक ने दाखिल की है, जिन्होंने भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, कपिल मिश्रा ,प्रवेश वर्मा और अभय वर्मा के खिलाफ नफरत भरे भाषण देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया है। अन्य अर्जी याचिकाकर्ता 'लॉयर्स वॉयस' की है जिसने कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान, एआईएमआईएम नेता अकबरुद्दीन ओवैसी, एआईएमआईएम के पूर्व विधायक वारिस पठान, महमूद प्राचा, हर्ष मंदर, मुफ्ती मोहम्मद इस्माइल, स्वरा भास्कर, उमर खालिद, बीजी कोलसे पाटिल और अन्य के खिलाफ नफरत फैलाने वाला भाषण देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया है।

अदालत ने कहा,'' इससे पहले कि हम पक्षकार बनाए, हमें उन्हें एक अवसर देना होगा। अगर उन्होंने इसका विरोध किया तो हम पक्षकार नहीं बना सकते।'' गौरतलब है कि पुलिस ने अपने हलफनामे में कहा था कि दंगों की जांच से अब तक कोई सबूत सामने नहीं आया है कि राजनीतिक नेताओं ने हिंसा भड़काई या इसमें शामिल थे। मामले की अगली सुनवाई 22 मार्च को होगी।

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को लाने के लिए पीएम के चार मंत्री संभालेंगे मोर्चा

हरदीप पुरी, सिंधिया, किरेन रिजिजू और वीके सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध चरम पर है। इस बीच भारत की भी चिंता बढ़ गई है, क्योंकि यूक्रेन में हजारों की संख्या में भारतीय छात्र फंसे हुए हैं। इनके डराने वाले वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर हो रहे हैं। यूक्रेन में फंसे भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने के लिए मोदी सरकार ने नई रणनीति बनाई है। सोमवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाईलेवल बैठक की, जिसमें कई केंद्रीय मंत्री और अधिकारी शामिल थे। बैठक में फैसला हुआ कि 4 कैबिनेट मंत्री यूक्रेन के पड़ोसी देशों में जाएंगे। वहां से चलाए जा रहे भारतीयों के निकासी मिशन को कोऑर्डिनेट करने वाले हैं।

कुछ केंद्रीय मंत्री छात्रों को निकालने के लिए यूक्रेन के पड़ोसी देशों का दौरा कर सकते हैं। इस कार्य के लिए बाहर जाने वाले मंत्रियों में हरदीप पुरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरेन रिजिजू और वीके सिंह शामिल हैं। माना जाता है कि लगभग 16,000 छात्र यूक्रेन में बंकरों, बम आश्रयों या उनके छात्रावास के तहखाने में छिपे हुए हैं। बैठक में विदेश मंत्रालय के कई उच्च अधिकारी भी शामिल थे, जिन्होंने पीएम मोदी को जमीनी हालात के बारे में बताया। पीएम को जानकारी दी गई कि यूक्रेन के पड़ोसी देशों तक भारतीय छात्रों को बस, ट्रेन या अन्य साधनों से ले जाया जा रहा है। वहां से विशेष उड़ानों के जरिए उन्हें भारत लाया जा रहा है। इसके तहत सिंधिया रोमानिया और मडोवा के छात्रों को निकलने का काम देखेंगे, रिजिजू स्लोवाक , हंगरी में हरदीप पुरी और वीके सिंह पौलेंड के छात्रों को निकलने का काम करने वाले है।

रोमानिया, हंगरी, स्लोवाक गणराज्य और पोलैंड जैसे पड़ोसी देशों से छात्रों को निकालने पर काम किया जा रहा है। हालांकि कई छात्र इन देशों के बॉर्डरों पर पहुंचने के लिए पैदल ही निकल पड़े हैं। यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने शनिवार को ट्विटर पर कहा कि भारतीय नागरिकों को हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करके सरकारी अधिकारियों के साथ समन्वय किए बिना किसी भी सीमा चौकी पर नहीं जाना चाहिए। दूतावास ने कहा था कि सीमा चौकियों पर पहुंचने वालों को बिना बताए उनकी मदद करना मुश्किल है।

बुरी तरह पीटे गए भारतीयों छात्रों की मदद का यूक्रेन की सरकार ने फैसला लिया था, लेकिन अब वहां के सुरक्षाबलों पर गंभीर आरोप लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रोमानिया की सीमा पर बड़ी संख्या में भारतीय छात्र पहुंचे थे, लेकिन उन्हें वहां पर प्रवेश नहीं करने दी गई। साथ ही कुछ भारतीय छात्रों के साथ यूक्रेन के जवानों ने मारपीट की। छात्रों का आरोप है, कि यूक्रेन में उनके साथ अब भेदभाव किया जा रहा है। उड़ानों की संख्या बढ़ाई जाएगी रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार भारतीयों को यूक्रेन से निकालने के लिए तेजी से काम कर रही है। यूक्रेन के पड़ोसी देशों से उड़ानों की संख्या को बढ़ाने का फैसला लिया गया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को वतन वापस लाया जा सके।

यूपी की जनता पश्चिम से पूरब तक घोर परिवारवादियों को नकार दिया : पीएम मोदी

बलिया (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दलों का नाम लिए बिना कहा कि यूपी में पांच चरण के चुनाव हो चुके हैं, इसमें पश्चिम से पूरब तक घोर परिवारवादियों को जनता ने नकार दिया है। यूपी के लोगों ने बता दिया है, कि राज्य की गाड़ी अब जात-पात की गलियों में अटकने वाली नहीं है। बलिया जिले में चुनावी रैली में महर्षि भृगु को कोटि-कोटि प्रणाम करते हुए मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत भोजपुरी में लोगों का अभिवादन करते हुए कहा, माता, बहिन, बड़-बुजुर्ग सब कर गोड़ लागत बानि (माताओं, बहनों, बड़े बुजुर्गों को पैर छूकर प्रणाम कर रहा हूं)। उन्होंने बताया कि बलिया ने विकास के हाइवे पर रफ़्तार भर ली है और जाति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित का सम्मान और परिवारवाद का विरोध यही तब बलिया की परिभाषा है। उन्होंने कहा कि ''बलिया, पूर्वांचल का विकास और उप्र का विकास मेरा कर्तव्य और मेरी प्राथमिकता है, उप्र ने मुझे बहुत कुछ दिया है और इस धरती की संतान के नाते गरीब से गरीब की सेवा का संकल्प लेकर चल पड़ा हूं।''

उल्लेखनीय है कि बलिया में 2017 के चुनाव में सात विधानसभा सीटों में पांच सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी, जबकि बांसडीह से राम गोविंद चौधरी (विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष) और रसड़ा से उमाशंकर सिंह (विधानसभा में बसपा के दल नेता) चुनाव जीते थे। बैरिया विधानसभा क्षेत्र से पिछली बार भाजपा से चुनाव जीते सुरेंद्र सिंह इस बार टिकट न मिलने पर विद्रोही होकर विकासशील इंसान पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि पिछली बार बलिया से चुनाव जीते राज्य मंत्री आंनद स्वरुप शुक्ला का क्षेत्र बदलकर उन्हें बैरिया से मैदान में भाजपा ने उतारा है। बलिया में स्वरुप की जगह पार्टी ने इस बार राज्य मंत्री स्वाति सिंह के पति और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह को प्रत्याशी बनाया है। इनदिनों बलिया जिले में राजनीतिक दांव-पेंच के बीच जातीय गोलबंदी की भी खूब अटकलें हैं।

मोदी ने आजादी की लड़ाई में बलिया के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि ''ये मेरा सौभाग्य है कि आप इतनी बड़ी संख्या में यहां हम सबको आशीर्वाद ने के लिए आए हैं। यह प्यार और आशीर्वाद कभी भूल नहीं सकता, आपके प्यार और आशीर्वाद को ब्याज सहित लौटाऊंगा और विकास करके लौटाऊंगा। मोदी ने कहा कि आप सबने मुझे इतना प्यार दिया है, कि उसका कर्ज उतार नहीं सकता, बलिया से मेरा एक भावुक रिश्ता यह भी है कि यहीं पर मैंने माताओं-बहनों की जिंदगी बदलने वाली उज्जवला योजना की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि ये धरती जननायक चंद्रशेखर जी की भूमि है,चंद्रशेखर जी को गर्व था कि वे चित्तू पांडेय की धरती से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि बलिया का गहरा संबंध लोकनायक जयप्रकाश नारायण और साहित्यकार हजारी प्रसाद द्विवेदी जी से भी रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं इन सभी विभूतियों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। सभा को केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने भी संबोधित किया।

भारत ने अंतर्राष्ट्रीय कमर्शियल उड़ानों पर प्रतिबंध बढ़ाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के नागरिक उड्डयन नियामक, डीजीसीए ने सोमवार को अनुसूचित अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ानों पर प्रतिबंध को 'अगले आदेश' तक बढ़ा दिया है। वर्तमान में, ओमिक्रॉन वेरिएंट द्वारा संचालित तीसरी कोविड लहर देश में घट रही है। एक अधिसूचना में, डीजीसीए ने अनुसूचित अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ानों पर प्रतिबंध को 'अगले आदेश' तक के लिए बढ़ा दिया है।

यह प्रतिबंध अंतर्राष्ट्रीय ऑल-कार्गो संचालन और विशेष रूप से डीजीसीए द्वारा अनुमोदित उड़ानों पर लागू नहीं होगा। इसी तरह एयर बबल समझौते के तहत उड़ानें प्रभावित नहीं होंगी। पिछले महीने, नागरिक उड्डयन नियामक ने, निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ानों पर प्रतिबंध 28 फरवरी, 2022 तक बढ़ा दिया था।

2021 के अंत में, भारत ने कुछ शर्तों के साथ 15 दिसंबर, 2021 से अनुसूचित वाणिज्यिक अंतर्राष्ट्रीय यात्री सेवाओं को फिर से शुरू करने की योजना की घोषणा की थी। हालांकि, विश्व स्तर पर तीसरी कोविड लहर के उभरने के कारण योजना को स्थगित कर दिया गया था। भारत ने कोरोना के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए 23 मार्च, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, बाद में कुछ देशों के साथ एयर बबल की व्यवस्था के तहत उड़ान प्रतिबंधों में ढील दी गई।

कीव में सप्ताहांत कर्फ्यू हटा, अब सुरक्षित स्थानों पर जा सकेंगे भारतीय छात्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन की राजधानी में सप्ताहांत का कर्फ्यू हटा लिया गया है, जिससे पिछले पांच दिनों से रूस और यूक्रेन की सेनाओं के बीच भीषण लड़ाई के बीच फंसे हुए भारतीय नागरिकों के सुरक्षित स्थानों पर जाने का मार्ग खुल गया है। यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया कीव में वीकेंड कर्फ्यू हटा लिया गया है। सभी छात्रों को पश्चिमी हिस्सों की यात्रा के लिए रेलवे स्टेशन पर जाने की सलाह दी जाती है।

रूस और यूक्रेन के बीच सशस्त्र संघर्ष गुरुवार की तड़के तेज हो गया, जब रूसी सेना ने यूक्रेन पर एक बड़ा हमला किया, शहरों और सैन्य प्रतिष्ठानों पर मिसाइलें दागीं और वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर दिया। तब से, भारत ने समय पर अपने नागरिकों को युद्धग्रस्त क्षेत्र से निकालना शुरू कर दिया। दूतावास ने आगे बताया कि यूक्रेन रेलवे निकासी के लिए विशेष ट्रेनें चला रहा है। इससे पहले रविवार को, युद्धग्रस्त देश के उन इलाकों में जहां कर्फ्यू लगाया गया है, भारतीय नागरिकों को सलाह दी गई है कि जब तक कर्फ्यू नहीं हटा लिया जाता है, तब तक वे रेलवे स्टेशनों की ओर न जाएं।

रविवार को जारी एडवाइजरी के अनुसार नए इनपुट के आधार पर, खारवीव, सूमी और कीव में तीव्र लड़ाई चल रही है। इन शहरों और अन्य शहरों में जहां भी कर्फ्यू लागू किया गया है, वहां भारतीय नागरिकों को कर्फ्यू हटने तक रेलवे स्टेशनों की ओर जाने की सलाह नहीं दी जाती है। यूक्रेनी रेलवे, रेलवे स्टेशन पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर लोगों को मुफ्त में निकालने के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन कर रहा है और जिसके लिए टिकट की आवश्यकता नहीं है। दूतावास ने कहा वह विशेष रूप से यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्रों में विकासशील स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है। इस बीच, युद्ध को समाप्त करने के लिए, यूक्रेन रूस के साथ बेलारूसी-यूक्रेनी सीमा पर बातचीत करने के लिए सहमत हो गया है। यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल अब बेलारूस में वार्ता की मेज पर है।

भारत में जून में आ सकती कोरोनो की चौथी लहर

-आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों का पूर्वानुमान

कानपुर (ईएमएस)। महामारी कोरोना की तीन लहरों का दंश झेल चुके भारत में वैरिएंट ओमिक्रोन का असर धीमा पड़ने के बाद अब चौथी लहर को लेकर भी अटकले लगने लगी हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के गणित और सांख्यिकीय विभाग के शोधकर्ताओं ने गासियन वितरण प्रणाली के आधार पर आंकलन करके चौथी लहर के जून में आने का पूर्वानुमान बताया है। इसके लिए एक वेबसाइट से कोरोना के अब तक के आंकड़ों का अध्ययन किया है।

भारत में चौथी लहर का पूर्वानुमान लगाने के लिए आईआईटी के वैज्ञानिक प्रो. शलभ और एसोसिएट प्रोफेसर सुभ्रा शंकर धर के निर्देशन में शोधार्थी सबरा प्रसाद राजेश भाई ने पहली लहर से लेकर अब तक कोरोना के विभिन्न वैरिएंट के प्रसार और उनके प्रभाव पर जारी डाटा का अध्ययन किया। साथ ही डाटा की गासियन वितरण मिश्रण प्रणाली के आधार पर गणना की और चौथी लहर के शिखर का समय निकालने के लिए बूट स्ट्रेप प्रणाली का उपयोग किया। इसके मुताबिक कोरोना संक्रमण का पहला मामला विश्व में पहली बार दिसंबर 2019 में सामने आया था। इसके बाद सभी देश वायरस के संक्रमण का शिकार होने लगे। जिंबाब्वे और भारत में तीसरी लहर के आंकड़े लगभग एक समान थे। वर्तमान में जिंबाब्वे में चौथी लहर शुरू हो गई है। इसी वजह से जिंबाव्वे के डाटा को आधार मान विभाग की टीम ने गासियन वितरण मिश्रण प्रणाली का प्रयोग कर भारत में चौथी लहर का आंकलन किया है।

डा. शलभ के मुताबिक सांख्यिकीय गणना के आधार पर सामने आया है कि भारत में कोविड 19 की चौथी लहर प्रारंभिक डाटा मिलने की तिथि से 936 दिन बाद आ सकती है। चूंकि प्रारंभिक डाटा 30 जनवरी 2020 को सामने आया था, लिहाजा चौथी लहर 22 जून 2022 से शुरू होने के आसार हैं। यही नहीं चौथी लहर 23 अगस्त को अपने चरम पर पहुंच सकती है और 24 अक्टूबर को समाप्त हो सकती है। भारत के साथ ही अन्य देशों के डाटा पर भी इसी पद्धति का उपयोग करके चौथी लहर की भविष्यवाणी की जा सकती है। यदि घटनाओं की संख्या बहुत बड़ी है, तो भौतिक घटनाओं का वर्णन करने के लिए गासियन वितरण प्रणाली का प्रयोग किया जाता है। यह एक गणितीय माडल है।

विशेषज्ञों के मुताबिक वर्तमान में जिंबाब्वे के साथ ही दक्षिण अफ्रीका भी चौथी और उच्च लहरों का सामना करने लगा है। यहां जिंबाब्वे के कोविड 19 मामलों को प्रशिक्षण डाटा सेट के रूप में निर्धारित किया गया है। अब वैज्ञानिक इस बिंदु पर डाटा का आंकलन कर रहे हैं, ताकि यह पता लग सके कि भविष्य में समय के साथ कोरोना वायरल की घातकता कैसे बदल रही है।

अपने सूत्र माडल के आधार पर कोरोना की दूसरी और तीसरी लहर में सटीक भविष्यवाणी करने वाले आईआईटी के पद्मश्री से सम्मानित प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल ने कहा कि अभी कोरोना की चौथी लहर के बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। डेल्टाक्रोन नाम से नया म्यूटेंट कब आएगा, इसके बारे में कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। किसी स्टैटिकल मेथड से डाटा निकाला गया है, उसे देखेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि अब भारतीय लोगों में ओमिक्रोन और डेल्टा वैरिएंट दोनों की प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो चुकी है, इसलिए नए वैरिएंट का कोई प्रभाव नहीं पडऩे की उम्मीद है।

इंडोनेशिया में भूकंप से 11 की मौत 400 घायल

जकार्ता (ईएमएस)। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर आये भूकंप के बाद तलाश अभियान चल रहा है। इस भूकंप के कारण 11 लोगों की मौत हो गई है जबकि 400 अन्य घायल हुए हैं और हजारों लोग विस्थापित और बेघर हो गए हैं। आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। जानकारी के मुता?बिक पासमान जिले में छह और पड़ोसी पश्चिमी पासमान जिले में पांच लोगों की मौत हुई है। बचावकर्मी अब भी चार ग्रामीणों की तलाश कर रहे हैं। माना जा रहा है कि वे आसपास की पहाड़ियों से गिरी मिट्टी के नीचे दबे हो सकते हैं। बताया जा रहा है ?कि भूकंप से लगभग 400 लोग घायल हुये हैं जिनमें से 42 लोगों की हालत नाजुक है। इंडोनेशिया में आये इस भूकंप का झटका मलेशिया और सिंगापुर तक महसूस किए गए। 13,000 से अधिक लोग अपने घरों को छोड़कर अस्थायी आश्रय स्थलों में चले गए। भूकंप के कारण 1,400 से अधिक इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं हैं।

कार्टून कोना

रूसी सैनिकों के बार-बार के प

जन हितैषी

संकट में नागरिक

यूक्रेन हमले के बीच फंसे 490 भारतीय छात्रों को रोमानिया और हंगरी के रास्ते भारत लाया गया। रोमानिया से एअर इंडिया के विमान ने शनिवार रात 9.30 बजे उड़ान भरी और रविवार तड़के करीब 3 बजे यह दिल्ली पहुंचा। हंगरी के बुडापेस्ट से भी एक विमान रविवार को आया, इसमें 240 भारतीय सवार थे। अब तक कुल 709 छात्र यूक्रेन से रेस्क्यू किए गए हैं। फ्लाइट में सवार छात्रों ने खुशी जाहिर की और भारत माता की जय के नारे लगाए। इसके पहले शनिवार रात 8 बजे 219 भारतीय छात्रों को लेकर एअर इंडिया का विमान मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा। यूक्रेन में हमलों के बीच फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय बन गई है। 16 हजार से ज्यादा भारतीय नागरिक इस वक्त वहां हैं। इनमें वहां पढऩे गए भारतीय विद्यार्थियों की संख्या भी खासी है। ऐसे में इनके परिजनों का परेशान होना स्वाभाविक है। लगातार मिसाइलों के धमाकों, गोलियों की आवाज और टैंकों की गड़गड़ाहट के बीच ये भारतीय नागरिक जिस संकट और मानसिक वेदना से गुजर रहे हैं, उसकी कल्पना भर से रोंगटे खड़े हो जाते हैं। विद्यार्थी अपने परिजनों को जो वीडियो भेज रहे हैं, उससे पता चलता है कि किस तरह ये लोग पल-पल काट रहे होंगे! हमलों से बचाव के लिए लोगों को छोटे-छोटे बंकरों में रखा गया है। खाने-पीने के सामान के लाले पड़ रहे हैं। मार्शल ला लग जाने के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसर गया है। किसको पता कि कहां मिसाइलें गिरेंगी? कहने को यूक्रेन में भारतीय दूतावास सक्रिय है और अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के अभियान में दिन-रात जुटा है। पर वहां जिस तरह के हालात हैं, उसमें दूतावास के लिए इतने सारे भारतीयों की सुरक्षा और उन्हें स्वदेश भेजना कठिन काम है। हालांकि दूतावास ने कई दिन पहले परामर्श जारी कर भारतीयों को अस्थायी रूप से यूक्रेन छोड़ने को कह दिया था। इसके बाद बीस हजार लोगों ने वापसी के लिए आनलाइन पंजीकरण करवाया था। इनमें से अब तक सिर्फ चार हजार लोग ही लौट पाए हैं। वैसे हर कोई इस उम्मीद में रहा होगा कि युद्ध टल जाएगा। पर अब यूक्रेन ने दूसरे देशों के यात्री विमानों के लिए अपने हवाई मार्ग बंद कर दिए हैं। ऐसे में विदेशी विमान वहां जा नहीं सकते। दो दिन पहले भारत का एक विमान कीव के लिए गया भी था, लेकिन उतरने की इजाजत नहीं मिलने से खाली दिल्ली लौट आया। इसलिए भारतीयों को अब पहले सड़क मार्ग से हंगरी और रोमानिया ले जाया जा रहा है और फिर वहां से भारत के विमान इन्हें लेकर स्वदेश पहुंचेंगे। यह कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए भारत की सरकार देर से चेती। सरकार जो कदम अब उठा रही है, वे अगर एक पखवाड़े पहले उठा लिए जाते तो आज जैसा हाहाकार नहीं मचता। ऐसा भी नहीं कि सरकार को इस बात का अनुमान नहीं रहा होगा कि यूक्रेन में आने वाले दिन कैसे होंगे। युद्ध की आशंका को लेकर अमेरिका सहित कई पश्चिमी देश तो पहले ही अपने नागरिकों को बचाने के काम में जुट गए थे। सवाल है कि हम आखिर किस इंतजार में बैठे रहे? हालांकि ऐसे ही संकट भरे दौर में भारत ने पहले भी दूसरे देशों से अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी करवाई है। पिछले साल तालिबान के सत्ता हथियाने के बाद अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों का मामला रहा हो या इराक में फंसे अपने नागरिकों को बचाने का अभियान हो, सरकार ने इन कामों को बखूबी किया था। तीन दशक पहले जब इराक ने जब कुवैत पर हमला कर दिया था, तब भी कुवैत में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया था। ऐसा नहीं कि हमारे पास तजुर्बे या संसाधनों का अभाव है, पर नीतिगत स्तर पर होने वाले फैसलों में देरी से जो सवाल खड़े हो रहे हैं, उन्हें तो नजरअंदाज नहीं किया जा सकता!

धर्मगुरुओं के 'राजनैतिक फ़तवे'

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते यहाँ 'लोकतान्त्रिक' तरीक़े से होने वाले आम चुनाव हमेशा ही पूरे विश्व के लिये कौतूहल का विषय होते हैं। समय समय पर इस विराट एवं अद्भुत चुनावी प्रक्रिया को क़रीब से देखने व समझने के लिये विदेशों से भी वहां के संसदीय प्रतिनिधिमंडल तथा अंर्तराष्ट्रीय चुनावी विशेषज्ञ आते रहते हैं। परन्तु सवाल यह उठता है कि क्या हमारे देश के शत प्रतिशत मतदाता वास्तव अपने अपने मताधिकार का प्रयोग पूरी स्वतंत्रता व स्वविवेक के साथ करते हैं ? क्या भारतीय मतदाताओं का एक बड़ा अर्थात निर्णयकारी वर्ग वास्तव में जनसमस्याओं, देश की प्रगति, विकास, सड़क, बिजली, पानी, उद्योग, रोज़गार, स्वास्थ्य, मंहगाई जैसे मुद्दों को सामने रखकर ही मतदान करता है ? और यदि जनता स्वविवेक से मतदान करती है, उसपर किसी तरह का धर्म-जाति-पंडित-गुरु-अथवा मौलवी के फ़तवों का प्रभाव नहीं होता फिर आख़िर देश की संसद व विधानसभाओं में सांप्रदायिक, अपराधी, जातिवादी, निठल्ले, अशिक्षित, भ्र्ष्ट, स्वार्थी, विचारविहीन, व लुटेरी प्रवृति के लोग विभिन्न सदनों में कैसे पहुँच जाते हैं?

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सियन लूंग ने गत 15 फ़रवरी को सिंगापुर की संसद में एक टिप्पणी की। ली सियन लूंग ने कहा था कि 'नेहरू का भारत अब ऐसा बन गया है, जहां मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लोकसभा के आधे से अधिक सांसदों के विरुद्ध बलात्कार, हत्या जैसे आरोपों सहित अनेक आपराधिक मामले लंबित हैं। हालांकि यह भी कहा जाता है कि इसमें से कई आरोप राजनीति से प्रेरित हैं.'। ली सियन लूंग ने इज़राईल में चल रही राजनैतिक अस्थिरता का भी ज़िक्र किया। उनके द्वारा इज़राइली नेता वे डेविड बेन-गुरियन व भारत के जवाहरलाल नेहरू का ज़िक्र समयानुसार राजनीति व राजनेताओं के तुलनात्मक स्तर के सन्दर्भ में किया गया था। इसमें कोई शक नहीं कि विश्व के अधिकांश देश उच्च आदर्शों और महान मूल्यों के आधार पर स्वतंत्र अथवा स्थापित हुए हैं। ऐसे में राजनीति के वर्तमान विश्व स्तरीय पतन काल पर किसी भी संवेदनशील व्यक्ति विशेषकर गंभीर राजनेताओं का चिंतित होना स्वाभाविक है। हालाँकि भारतीय विदेश मंत्रालय ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद दिल्ली में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वॉन्ग को बुलाया और ली सियन लूंग के उपरोक्त वक्तव्य पर आपत्ति व असहमति जताते हुये कहा कि भारत के संबंध में ली सीन लूंग का यह बयान को ''ग़ैर-ज़रूरी'' और ''अस्वीकार्य'' है।

परन्तु क्या भारतवासियों के लिये यह सोचना व चिंतन करना ज़रूरी नहीं कि विदेशी नेताओं को आख़िर भारत की वर्तमान राजनैतिक दुर्दशा पर ऊँगली क्योंकर उठानी पड़ती है? किसी कड़वे सच को अस्वीकार करने के बजाये क्या हमें आत्म चिंतन व आत्मावलोकन करने की ज़रुरत नहीं ? क्या सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने जो भी कहा वह पूरी तरह तथ्यहीन है ? क्या विदेश मंत्रालय के ''ग़ैर-ज़रूरी'' और ''अस्वीकार्य''कह देने मात्र से हमारे देश के अपराधी व अपराधों के आरोपी राजनेताओं की छवि उज्जवल हो जायेगी ? क्या इससे ज़्यादा ज़रूरी यह नहीं कि हम इस बात को लेकर आत्ममंथन करें कि हम कैसे अपनी इस 'कलंकपूर्ण ' चुनाव व्यवस्था को रोकने के लिये सख़्त क़दम उठायें ? क्या मंदिर - मस्जिद, हिन्दू-मुसलमान, धर्म जाति, ऊंच नीच, क्षेत्र, भाषा, गाय, लव जिहाद, हिजाब, वन्देमातरम, क़ब्रिस्तान, शमशान, जिन्ना, औरंगज़ेब जैसे मुद्दों को आगे रखकर लड़े जाने वाले चुनाव व इन्हीं मुद्दों को गरमा व भ्रमा कर चुनाव जीतने वाले जनप्रतिनिधियों से हमें यह उम्मीद करनी चाहिये कि वे जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर भी काम करेंगे ? राजनेताओं के भाषण भी ऐसे होने लगे हैं गोया वे अपने राजनैतिक प्रतिद्वंदी को अपना व्यक्तिगत दुश्मन मानने लगे हों। कोई किसी को आतंकवादी बता रहा है तो कोई चुनाव के बाद 'गर्मी निकालने ' की धमकी दे रहा है। कोई बुलडोज़र चलाने की बातें कर रहा है। कोई पाकिस्तान भेज रहा है तो कोई बंगाल, कश्मीर व केरल से तुलना कर सांप्रदायिकता का भ्रमपूर्ण भय पैदा कर रहा है।

हमारे देश में विभिन्न धर्मों व जातियों में तथाकथित राजनैतिक धर्मगुरुओं की भी भरमार है। इनमें तमाम ऐसे हैं जो सत्ता के क़रीब भी रहना चाहते हैं और सत्ता से लाभ भी उठाना चाहते हैं और उठाते रहते हैं। प्राय: देखा गया है कि यह धर्म गुरु अपने अनुयायियों को निर्देश अथवा फ़तवे जारी करते रहते हैं। इनके निर्देश अथवा फ़तवे आम तौर पर इस बात से प्रेरित होते हैं कि किसी धर्मगुरु के साथ सत्ता अथवा धर्मगुरु द्वारा समर्थन दिये जा रहे दल का व्यवहार कैसा है। इस स्थिति में इन 'स्वयंभू अध्यात्मवादियों' का सीधा संबंध राजनीति से स्थापित हो जाता है। और इनकी कोशिश होती है कि इनके अनुयायी इनके निर्देश व फ़तवे के अनुसार ही मतदान करें। गोया किसी धर्मगुरु के लाखों करोड़ों अनुयायी अपने गुरु अथवा मौलवी मौलाना के दिशानिर्देश पाते ही अपना स्वविवेक ताख़ पर रखकर अपने बहुमूल्य मताधिकार को गोया गिरवी रख देते हैं। ऐसी स्थिति में जीतने वाला प्रत्याशी अपराधी है, सांप्रदायिक, जातिवादी अथवा भ्रष्ट है यह बातें कोई मायने नहीं रखतीं।

आज अनेक धर्मगुरु बेलगाम होकर जो मुंह में आये वह बोलते फिर रहे हैं। उनके मुंह से अमृतवाणी निकलने के बजाये विषवमन होता रहता है। यह अपने अनुयायियों को चरित्र निर्माण या रोज़गार अथवा आत्मनिर्भरता के उपाय या इसपर आधारित प्रवचन नहीं देते बल्कि उन्हें धर्म विशेष के विरुद्ध हथियार उठाने के लिये उकसाते फिरते हैं। गृह युद्ध छेड़ने के लिये प्रेरित करते हैं। ऐसे ही धर्मगुरु सार्वजनिक मंचों से उस महात्मा गांधी को गालियां देते व अपमानित करते हैं जिसकी सत्य-अहिंसा-शांति व सर्वधर्म समभाव की नीति के समक्ष दुनिया नतमस्तक होती है। क्या राजनेता तो क्या धर्माधिकारी इनका एक बड़ा समूह इनदिनों अपने ज़हरीले शब्दों, अनैतिक दिशानिर्देशों व फ़तवों के चलते भारतीय राजनीति के चेहरे को कुरूपित कर रहा है। ऐसे लोग जनसरोकारों की बातें करने के बजाये मतदाताओं को कभी 'गर्व ', कभी 'स्वाभिमान ', कभी 'सम्मान ', कभी राष्ट्रवाद तो कभी 'अस्तित्व ' बेचने लगते हैं। और हमारे देश के भोले भाले मतदाता आसानी से ऐसे पाखंडी राजनेताओं व स्वार्थी स्वयंभू धर्मगुरुओं की बातों के झांसे में आ जाते हैं। यह अथवा ऐसी स्थितियां इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये पर्याप्त हैं कि हमारे देश में राजनीतिक स्तर में गिरावट के मुख्य कारण क्या हैं और क्यों हमारे देश को लेकर विदेशों में अब नकारात्मक चर्चायें होने लगी हैं ? हमें मुंह छुपाने की नहीं बल्कि दर्पण देखकर आत्मावलोकन करने की ज़रुरत है। इतना ही नहीं बल्कि जहाँ हमें स्वविवेक से अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने की ज़रुरत है वहीं अनुयाईयों को भ्रमित करने वाले धर्मगुरुओं के स्वार्थपूर्ण 'राजनैतिक फ़तवों' से भी सचेत रहने की ज़रुरत है। भारतीय मतदाताओं की जागरूकता व उनका जनसरोकारों के मद्देनज़र किया जाने वाला विवेकपूर्ण मतदान ही देश की दिशा व दशा को भी बदल सकता है साथ ही भारत की गिरती जा रही राजनैतिक साख से भी बचा सकता है। (लेखिका- निर्मल रानी / ईएमएस)

शिव साधना का महान पर्व महाशिवरात्रि!

शिवरात्रि का पावन पर्व शिव साधना से परमात्मा शिव को खुश करके उनकी कृपा प्राप्त कर अपनी मनोकामना की पूर्ति करना है। यह वह दिन है जब सभी साधक भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए पूजा अर्चना करते हैं। इस साल महाशिवरात्रि 1 मार्च को मनाई जा रही है। शिवरात्रि के दिन लोग मंदिर जाते हैं और वहाँ जाकर शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं। इसी के साथ सभी साधक अपने-अपने तरीकों से भगवान शिव को साधना का प्रयास करते हैं। शिव की पूजा के समय खास रंग के कपड़े पहनने से सारी मनोकामनाएं पूरी होती है। इस शिवरात्रि कौन से रंग के कपड़े आपकी पूजा को सफल बना सकते हैं।

भगवान शिव की आराधना के समय हरे रंग के कपड़े धारण करना शुभ माना जाता है। इसी के साथ अगर आप हरे रंग के साथ सफ़ेद रंग के वस्त्र भी धारण करते हैं तो यह अधिक लाभदायक होगा। जी दरअसल ऐसी मान्यता है कि भोले बाबा को सफ़ेद और हरा रंग बहुत प्रिये होता है इसलिए शिवरात्रि के दिन शिव जी को चढ़ाये हुए फूल और बेल-धतूरा सफ़ेद और हरे रंग के ही होते हैं।

इसी के साथ शिवरात्रि के दिन हरे रंग को धारण करना बहुत शुभ मन जाता है। वहीं अगर आपके पास हरे या सफ़ेद रंग के वस्त्र नहीं हैं तो आप लाल, केसरिया, पीला, नारंगी तथा गुलाबी रंग के वस्त्र धारण कर के भोले बाबा की आराधना कर सकते हैं। ध्यान रहे भगवान शिव को काला रंग बिलकुल भी प्रिये नहीं होता। दरअसल काला रंग अंधकार और भसम का प्रतीक होता है इसलिए कभी भी शिवरात्रि के दिन काले रंग के वस्त्र न धारण करें। आपको बता दें कि काले वस्त्रों के साथ काला दुपट्टा, बिंदी, चूड़ियां भी नहीं पहनना चाहिए। वहीं अगर आप भगवान शिव को अपनी श्रद्धा और आराधना से प्रसन्न करना चाहते हैं तो शिवरात्रि के दिन काले रंग का त्याग कर दें।

महाशिवरात्रि पर्व शिव और शक्ति के मिलन का पर्व माना जाता है। वैसे तो प्रत्येक महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को ये पर्व मनाया जाता है। लेकिन फाल्गुन महीने में आने वाली मासिक शिवरात्रि सबसे खास होती है जिसे महा शिवरात्रि के नाम से जाना जाता है। शिव भक्तों के लिए ये दिन काफी खास होता है। इस साल ये पर्व 1 मार्च को मनाया जा रहा है।महाशिवरात्रि 1 मार्च को सुबह 3 बजकर 16 मिनट से शुरू होकर 2 मार्च को सुबह 10 तक रहेगी।

पहला प्रहर का मुहूर्त-:1 मार्च शाम 6 बजकर 21 मिनट से रात्रि 9 बजकर 27 मिनट तक है।

दूसरे प्रहर का मुहूर्त-: 1 मार्च रात्रि 9 बजकर 27 मिनट से 12 बजकर 33 मिनट तक है।

तीसरे प्रहर का मुहूर्त-: 1 मार्च रात्रि 12 बजकर 33 मिनट से सुबह 3 बजकर 39 मिनट तक है।

चौथे प्रहर का मुहूर्त-: 2 मार्च सुबह 3 बजकर 39 मिनट से 6 बजकर 45 मिनट तक है।

पारण समय-: 2 मार्च को सुबह 6 बजकर 45 मिनट के बाद है।सनातन धर्म के अनुसार शिवलिंग स्नान के लिये रात्रि के प्रथम प्रहर में दूध, दूसरे में दही, तीसरे में घृत और चौथे प्रहर में मधु, यानी शहद से स्नान कराने का विधान है. इतना ही नहीं चारों प्रहर में शिवलिंग स्नान के लिये मंत्र भी अलग हैं।

प्रथम प्रहर में- 'ह्रीं ईशानाय नम:'
दूसरे प्रहर में- 'ह्रीं अघोराय नम:'
तीसरे प्रहर में- 'ह्रीं वामदेवाय नम:'
चौथे प्रहर में- 'ह्रीं सद्योजाताय नम:'॥

मंत्र का जाप करना चाहिए।एक साल में कुल 12 शिवरात्रि आती हैं, लेकिन फाल्गुन मास की महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार इस दिन भगवान शिव और शक्ति का मिलन हुआ था। वहीं ईशान संहिता के अनुसार फाल्गुन मास की चतुर्दशी तिथि को भोलेनाथ दिव्य ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए थे। शिवपुराण में उल्लेखित एक कथा के अनुसार इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था और भोलेनाथ ने वैराग्य जीवन त्याग कर गृहस्थ जीवन अपनाया था। इस दिन विधिवत आदिदेव महादेव की पूजा अर्चना करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है व कष्टों का निवारण होता है।अमावस्या से एक दिन पूर्व, हर चंद्र माह के चौदहवें दिन को शिवरात्रि के नाम से जाना जाता है। एक कैलेंडर वर्ष में आने वाली सभी शिवरात्रियों के अलावा फरवरी-मार्च माह में महाशिवरात्रि मनाई जाती है। इन सभी में से महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व सबसे ज्यादा है। इस रात, ग्रह का उत्तरी गोलार्द्ध कुछ ऐसी स्थिति में होता है कि मनुष्य में ऊर्जा सहज ही ऊपर की ओर बढ़ती है। इस दिन प्रकृति मनुष्य को उसके आध्यात्मिक शिखर तक जाने में सहायता करती है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए ही, इस परंपरा में हमने इस पूरी रात चलने वाले उत्सव की स्थापना की। इस उत्सव का एक सबसे मुख्य पहलू ये पक्का करना है कि प्राकृतिक ऊर्जाओं के प्रवाह को अपनी दिशा मिल सके। इसलिए आप अपनी रीढ़ की हड्डी सीधी रखते हुए जागते रहते हैं।आध्यात्मिक पथ पर चलने वालों के लिए महाशिवरात्रि का पर्व बहुत महत्वपूर्ण है। पारिवारिक परिस्थितियों में जी रहे लोगों तथा महत्वाकांक्षियों के लिए भी यह उत्सव बहुत महत्व रखता है। जो लोग परिवार के बीच गृहस्थ हैं, वे महाशिवरात्रि को शिव के विवाह के उत्सव के रूप में मनाते हैं। सांसारिक महत्वाकांक्षाओं से घिरे लोगों को यह दिन इसलिए हत्वपूर्ण लगता है क्योंकि शिव ने अपने सभी शत्रुओं पर विजय पा ली थी।

साधुओं के लिए यह दिन इसलिए महत्व रखता है क्योंकि वे इस दिन कैलाश पर्वत के साथ एकाकार हो गए थे। वे एक पर्वत की तरह बिल्कुल स्थिर हो गए थे। यौगिक परंपरा में शिव को एक देव के रूप में नहीं पूजा जाता,, वे आदि गुरु माने जाते हैं जिन्होंने ज्ञान का शुभारंभ किया। ध्यान की अनेक सहस्राब्दियों के बाद, एक दिन वे पूरी तरह से स्थिर हो गए। वही दिन महाशिवरात्रि था। उनके भीतर की प्रत्येक हलचल शांत हो गई और यही वजह है कि साधु इस रात को स्थिरता से भरी रात के रूप में देखते हैं।

यौगिक परंपरा के अनुसार इस दिन और रात का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इस दिन आध्यात्मिक जिज्ञासु के सामने असीम संभावनाएँ प्रस्तुत होती हैं। आधुनिक विज्ञान अनेक चरणों से गुज़रते हुए, उस बिंदु पर आ गया है, जहाँ वे ये प्रमाणित कर रहे हैं – कि आप जिसे जीवन के रूप में जानते हैं, जिसे आप पदार्थ और अस्तित्व के तौर पर जानते हैं, जिसे ब्रह्माण्ड और आकाशगंगाओं के रूप में जानते हैं, वह केवल एक ऊर्जा है जो अलग-अलग तरह से प्रकट हो रही है।

यह वैज्ञानिक तथ्य ही प्रत्येक योगी का भीतरी अनुभव होता है। योगी शब्द का अर्थ है, ऐसा व्यक्ति जिसने अस्तित्व की एकात्मकता का एहसास पा लिया हो। जब मैं 'योग' शब्द का प्रयोग करता हूँ तो मैं किसी एक अभ्यास या तंत्र की बात नहीं कर रहा। उस असीमित को जानने की हर प्रकार की तड़प, अस्तित्व के उस एकत्व को जानने की इच्छा – योग है। महाशिवरात्रि की वह रात, उस अनुभव को पाने का अवसर भेंट करती है।हम सत्यम,शिवम,सुंदरम को आत्मसात कर स्वयं को आत्म बोध में स्थापित कर परमात्मा से अपनी लौ लगायेंगे।यह लौ हमारे अंदर के विकारों से हमे मुक्त कर हमारे कल्याण का माध्यम बनती है।युग परिवर्तन के लिए भी परमात्मा शिव हमे संगम युग मे ईश्वरीय ज्ञान प्राप्ति कराकर कलियुग से सतयुग में लाने के लिए यज्ञ रचते है।जिसमे स्त्री शक्ति का पोषण कर उन्हें युग परिवर्तन के निमित्त बनाया जाता है।वस्तुत:विश्व रचियता परमात्मा एक है जिसे कुछ लोग भगवान,कुछ लोग अल्लाह,कुछ लोग गोड ,कुछ लोग ओम, कुछ लोग ओमेन ,कुछ लोग सतनाम कहकर पुकारते है। यानि जो परम ऐश्वर्यवान हो,जिसे लोग भजते हो अर्थात जिसका स्मरण करते हो एक रचता के रूप में ,एक परमशक्ति के रूप में एक परमपिता के रूप में वही ईश्वर है और वही शिव है। एक मात्र वह शिव जो ब्रहमा,विष्णु और शकंर के भी रचियता है। जीवन मरण से परे है। ज्योति बिन्दू स्वरूप है। वास्तव में शिव एक ऐसा शब्द है जिसके उच्चारण मात्र से परमात्मा की सुखद अनुभूति होने लगती है। शिव को कल्याणकारी तो सभी मानते है, साथ ही शिव ही सत्य है

शिव ही सुन्दर है यह भी सभी स्वीकारते है। परन्तु यदि मनुष्य को शिव का बोध हो जाए तो उसे जीवन मुक्ति का लक्ष्य प्राप्त हो सकता है।

गीता में कहा गया है कि जब जब भी धर्म के मार्ग से लोग विचलित हो जाते है,समाज में अनाचार,पापाचार

,अत्याचार,शोषण,दैन्यता,आलस्य,लोभ,अहंकार का प्रकोप बढ़ जाता है।माया मोह बढ जाता है तब परमात्मा को स्वयं आकर राह भटके लोगो को सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा का

कार्य करना पडता है। ऐसा हर पाचं हजार साल में पुनरावृत होता है। पहले सतयुग,फिर द्वापर,फिर त्रेता और फिर कलियुग तक की यात्रा इन पांच हजार वर्षो में होती है। हांलाकि सतयुग में हर कोई पवित्र,सस्ंकारवान,चिन्तामुक्त और सुखमय होता है।परन्तु जैसे जैसे सतयुग से द्वापर और द्वापर से त्रेता तथा त्रेता से कलियुग तक का कालचक्र धूमता है। वैसे वैसे व्यक्ति रूप में मौजूद आत्मायें भी शान्त,पवित्र और सुखमय से अशान्त,दुषित और दुखमय हो जाती है। कलियुग को तो कहा ही गया है दुखों का काल। लेकिन जब कलियुग के अन्त और सतयुग के आगमन की धडी आती है तो उसके मध्य के काल को सगंम युग कहा जाता है यही वह समय जब परमात्मा स्वंय सतयुग की दुनिया बनाने के लिए आत्माओं को पवित्र और पावन करने के लिए उन्हे स्वंय ज्ञान देते है औरउन्हे सतयुग के काबिल बनाते है। समस्त देवी देवताओ में मात्र शिव ही ऐसे देव है जो देव के देव यानि महादेव है जिन्हे त्रिकालदर्शी भी कहा जाता है। परमात्मा शिव ही निराकारी और ज्योति स्वरूप है जिसे ज्योति बिन्दू रूप में स्वीकारा गया है। परमात्मा सर्व आत्माओं से न्यारा और प्यारा है जो देह से परे है जिसका जन्म मरण नही होता और जो परमधाम का वासी है और जो समस्त संसार का पोषक है। दुनियाभर में ज्योतिर्लिगं के रूप में परमात्मा शिव की पूजा अर्चना और साधना की जाती है। शिवलिंग को ही ज्योतिर्लिंग के रूप में परमात्मा का स्मृति स्वरूप माना गया है।(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट / ईएमएस)

आज का इतिहास 1 मार्च

1562 फ्रांस में पहला धर्मयुद्ध हुआ.
1640 अंग्रेजों को मद्रास में व्यापार का अधिकार मिला.
1767 स्पेन नरेश चार्ल्स तृतीय ने अपने यहां से रोमन कैथोलिक पादरियों को निष्कासित किया.
1775 नाना फड़नवीस और अंग्रेजों के बीच संधि हुई.
1799 नेपोलियन बोनापोर्ट के फ्रांस पहुंचने पर लुई 18 वें देश छोड़कर भाग गए.
1908 टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी की स्थापना हुई.
1919 महात्मा गांधी ने रौलट एक्ट के खिलाफ सत्याग्रह की घोषणा की.
1932 उड़ान के क्षेत्र में अग्रणी अमरीकी चार्ल्स लिंडबर्ग के पुत्र का अपहरण न्यू जर्सी से हुआ.
1966 सोवियत संघ का अंतरिक्ष यान साढ़े तीन महीने की यात्रा के बाद शुक्र ग्रह पर उतरा.
1989 नामीबिया की स्वतंत्रता के क्रियान्वयन के लिए राष्ट्रसंघ ने 41.60 लाख डॉलर की राशि मंजूर की.
1995 पूर्वोत्तर भारत में एक ट्रेन में विस्फोट होने से 26 सैनिक मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए.
1997 भारतीय वैज्ञानिकों ने स्वदेशी तकनीक से एटमी भट्टी ठीक करके दुनिया के एटमी इतिहास में एक नया इतिहास जोड़ा.
2002 गुजरात में हिंसा में मरने वालों की संख्या 230 हुई.
2005 पाकिस्तान ने 200 भारतीय कैदियों को रिहा किया.

शब्द पहेली - 7212

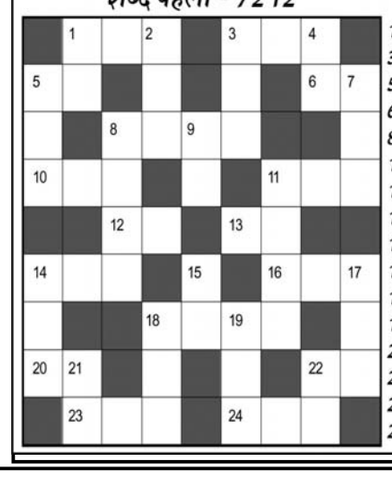

बाएँ से दाएँ

1.सरस्वती-3
3.किनारा,तट-3
5.मूल्य,कीमत-2
6.उस समय-2
8.प्रबंध,व्यवस्था-4
10.नमक-3
11.अधीन,मातहत-3
12.संज्ञा,संबोधन-2
13.मार्ग,रास्ता-2
14.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
16.धुन,आसक्ति-3
18.जमानत-4
20.रहस्य-2
22.पुत्र,तनय-2
23.मुलायम-3
24.गंवार,अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1.संध्या,सांझ-2
2.असुर,दैत्य-3
3.शोरबा,रसा-3
4.बुरी आदत-2
5.प्रवेश,एडमिट-3
7.वर यात्रा,दूल्हे का जुलूस-3
8.प्रियतम,साजन-4
9.अनाज-2
11.सनसनी,रोमांच-4
14.तृतीय-3
15.सच्चाई,सत्य-2
17.जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18.मुंशी,दीवान-3
19.रवैया,तरीका-3
21.आम जनता-2
22.लता,लतिका-2

शब्द पहेली -7211 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

कहो तो कह दूँ - 'वादे पे तेरे मारा गया, बन्दा मैं सीधा साधा, वादा तेरा वादा'

किसी ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लगा दी है जिसमें कहा गया है कि जो भी राजनैतिक दल मतदाताओं से लुभावने वादे करते हैं और पूरा नहीं करते उनके चुनाव चिन्ह जब्त कर लिए जाएँ , अब आप ही बताओ यदि ऐसा होने लगा तो तमाम राजनैतिक दलों के चुनाव चिन्ह ही जब्त हो जाएंगे, फिर चुनाव कौन लड़ेगा और मतदाता किसको वोट देंगे त अरे भाई दुनिया ही वादों पर टिकी है वादे न होते तो क्या होता, वैसे भी जो भी राजनैतिक दल चुनाव जीतने के लिए वादे करता है उसमें उसका क्या जाता है, उन वादों को पूरा करने के लिए उनकी जेब से तो धेला भी नहीं लगता, जनता का पैसा होता है और जनता के लिए खर्चा हो जाता है यानी ठतेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेराठ फिर दूसरी बात यदि नेता वादे नहीं करेंगे तो चुनाव कैसे जीतेंगे सारे चुनाव झूठे वादों पर ही तो टिके रहते हैं त राजनेताओं को भी मालूम है कि वे जो वादे कर रहे है उनको पूरा होना नहीं है और जनता भी जानती है की उसे बेबकूफ बनाया जा रहा है लेकिन वो बेचारी करे तो क्या करे उसके पास कोई दूसरा ठसब्सिटयूटठ भी तो नहीं है चुनना इनमें से किसी एक को ही है सो जो ज्यादा लुभावने वादे कर देता है जनता उसी तरफ दौड़ लगा देती है त जंहा तक वादों का सवाल है सारी दुनिया वादों पर ही जिन्दा है त पति पत्नी शादी के दौरान एक दूसरे से वादा करते हैं कि सात जन्मों तक एक दूसरे का साथ निभाएंगे लेकिन एक जनम में ही एक दूसरे से ऐसे ऊब जाते है कि एक जनम ही तय करने में उन्हें अपनी नानी याद आने लगती है त डाक्टर मरीज से वादा करता है कि तुम बच जाओगे लेकिन दूसरे ही दिन उसका ठराम नाम सत्यठ हो जाता है , बिल्डर खरीददार से वादा करता है कि वो कालोनी में सड़क, स्वीमिंग पूल, गार्डन बना कर देगा लेकिन मकान और प्लाट बिकते ही ऐसा गायब होता है जैसे ठगधे के सर से सींगठत बाप से बेटा वादा करता है कि वो बड़ा होकर उसकी सेवा करेगा पर बुढ़ापा आते ही बाप को वृद्धाश्रम के दरवाजे पर दस्तक देना पड़ती है वादों पर तो फ़िल्मी गीतकारों ने कई गीत ही लिखे हैं मसलन ठताजमहलठ का गीत ठजो वादा किया वो निभाना पड़ेगाठ हाथ की सफाई का ये गीत ठवादा करले साजना तेरे बिन मैं न रहूँ मेरे बिना तू न रहेठ दूसरी तरफ ये भी कहा जा रहा है ठक्या हुआ तेरा वादा वो कसम वो इरादाठत फिल्म ठकारवांठ का गाना तो आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा है ठकितना प्यारा वादा है इन मतवाली आँखों काठ लेकिन राजनेताओं और जनता के बीच जो गाना सबसे ज्यादा फिट होता है जो जनता नेताओ को देख कर गाती है वो हैं ठदुश्मनठ का गीत हो ठ मैं तुझसे प्यार करूँ, ये दिल निसार करूँ मगर कैसे ऐतबार करूँ झूठा हैं तेरा वादा, वादे पे तेरे मारा गया बन्दा मैं सीधा साधा, वादा वादा तेरा वादाठ

'तू प्यार है किसी और का तुझे चाहता कोई और हैठ

एक बड़ा मशहूर गाना है ठतू प्यार है किसी और का तुझे चाहता कोई और हैठ ये गीत हाल ही में साध्वी उमा भारती के बयान पर पूरी तरह से फ़िट बैठता है त एक कार्यक्रम में उनका दर्द शब्दों के माध्य से फूट पड़ा , बोली ठसरकार मैं बनाती हूँ और उसे चलाता कोई और हैठत सही कह रही हैं उमा भारती , कितनी मेहनत से उन्होंने मध्यप्रदेश में सरकार बनाई थी लेकिन ताव ताव में इस्तीफा देकर चली गयी और अब उनकी सरकार को कोई और बरसों से चला रहा है हाल ये हैं कि वे न तो सांसद हैं और न ही विधायक त अब उमा जी को कौन समझाए कि ये तो राजनीति में चलता ही है मेहनत कोई करता है और मलाई कोई और खाता है दूसरी बात राजनीति में तुनक मिजाजी नहीं चलती साम दाम दंड भेद जिसको नहीं आता वो राजनीति में मिसफिट है, अब आप अपने को ही देख लो क्या हाथ आया कुछ नहीं, अच्छी भली मुख्यमंत्री थी लेकिन कहते हैं इंसान अपनी आदतें बदल सकता है स्वभाव नहीं त एक झटके में सत्ता छोड़ी थी और अब कई सालों से उसे पकड़ने की कोशिश कर रही हो लेकिन वो हाथ में नहीं आ रही और निकट भविष्य में भी दिखाई नहीं देता कि सत्ता हाथ में आएगी क्योंकि सत्ता की कुर्सी को किसी और ने जकड़ रखा है ऐसे में उस कुर्सी तक पंहुचने में कितना वक़्त लग जायेगे भगवान् ही बतला सकता है अपनी तो एक ही राय है कि जो ठचला गया उसे भूल जाठ

ये गलत बात है कलेक्टर साहेब

जबलपुर में नए कलेक्टर साहेब आये है ठइलैया राजा टीठ इनका काम ही समझ में नहीं आ रहा है उनके अधीनस्तों को, कहीं जाते है उसका निरीक्षण करते है अपने ठसब ऑर्डिनेट्सठ को निर्देश देते है और फिर चार पांच दिन बाद फिर से उसी जगह पंहुच जाते है ये देखने के लिए कि जो निर्देश उन्होंने दिए थे वे पूरे हुए ये नहींत ये तो परंपरा से हट कर

पुतिन का यूक्रेन पर हमला लोकतंत्र विरोधी प्रवृत्ति का परिचायक : विश्लेषक

जिनेवा (ईएमएस)। यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस की चहुंओर आलोचना हो रही है। राजनीतिक-समाज विज्ञानियों का मानना है कि यूक्रेन पर रूस के हमलों ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में बढ़ती अधिनायकवादी प्रवृतियों और लोकतंत्र की नाजुक स्थिति को उजागर किया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने हाल में दुनिया के हालात पर चर्चा करते हुए वैश्विक नेताओं के साथ वार्षिक बैठक की शुरुआत की। उन्होंने कहा मानवता ने 'सच्चाई के क्षण' का सामना किया। गुतारेस ने कहा, 'शांति, मानव अधिकार, सबका सम्मान, समानता, न्याय, एकजुटता की भावना को धक्का लगा है। दंड से मुक्ति की भावना जोर पकड़ रही है।'

संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए गुतारेस का संदेश यूक्रेन पर रूसी सेना के आक्रमण के साथ और भी अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने जिन चीजों को रेखांकित किया, वे लोकतंत्र के मूल सिद्धांत हैं। विश्लेषकों ने कहा कि व्लादिमीर पुतिन का आक्रमण लोकतंत्र विरोधी प्रवृत्ति को आगे बढ़ाता है। यह ऐसी प्रवृत्ति है जिसमें शासक अपने राष्ट्रों को तानाशाही की ओर ले जाते हैं और लोकतांत्रिक मानदंडों की उपेक्षा करते हैं।

ऐसा करके वे समान रूप से, हमेशा से नाजुक लोकतंत्र पर प्रहार करते हैं। वर्जीनिया में विलियम एंड मैरी कॉलेज के प्रोफेसर और 'पोस्ट-इंपीरियल डेमोक्रेसीज' किताब के लेखक स्टीफन ई हैनसन ने कहा, 'आक्रमण निश्चित रूप से वैश्विक लोकतंत्र के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है।' हाल के समय में दुनिया के कई देशों में अधिनायकवादी प्रवृत्तियां बढ़ी है। अमेरिका में भी डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसी ही चिंताएं पैदा की थी। पेंसिल्वेनिया में गेटिसबर्ग कॉलेज में राजनीति विज्ञानी डगलस पेज ने कहा, 'वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मानदंडों को कमजोर करने वाले, लोगों के चहेते नेताओं ने पिछले 20 वर्षों में चुनावों के जरिए वैधता हासिल की है।' पेज ने कहा कि इसलिए जब पुतिन यूक्रेन पर इस तरह से आक्रमण करने का आदेश देते हैं तो इससे लोकतंत्र की एक तस्वीर दिखती है। विश्लेषकों का कहना है कि अपने देश में एक लोकतांत्रिक नेता के रूप में उन्हें वह करने की अनुमति मिल जाती है जो वह कहीं और चाहते हैं।

मैसाचुसेट्स में वॉर्सेस्टर पॉलिटेक्निक इंस्टीटयूट के एक राजनीतिक और समाज विज्ञानी क्रिस्टल ब्राउन ने कहा, लोकतंत्र ने पुतिन को सत्ता में ला दिया और सत्ता बनाए रखने के लिए एक उपकरण के रूप में उनकी काफी सेवा की है। हैनसन ने कहा, ऐसे नेता खुद को राष्ट्र के नायाब रक्षक के रूप में पेश करते हैं और उनकी सेवा करने वाले सभी से बिना शर्त व्यक्तिगत वफादारी की अपेक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा, 'लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट करने का ऐसा नुस्खा दुनिया भर में इतना शक्तिशाली साबित हुआ है जो 21वीं सदी की शुरुआत के सबसे उल्लेखनीय घटनाक्रम में से एक है। पेनसिल्वेनिया में फ्रैंकलिन एंड मार्शल कॉलेज में सहायक प्रोफेसर स्टेफनी कास्परेक ने कहा, दुनिया बड़े पैमाने पर संघर्ष में प्रवेश नहीं करना चाहती है। यह नेताओं को वास्तव में लोकतांत्रिक हुए बिना लोकतांत्रिक स्वरूप की उन सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए बहुत अधिक छूट देता है।

यूक्रेन को टैंक रोधी हथियार और मिसाइलें जर्मनी, ऐतिहासिक फैसला

वियना (ईएमएस)। जर्मनी ने दुनिया को स्तब्ध कर यूक्रेन को टैंक रोधी हथियार और जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलें देने का फैसला किया है। साथ ही युद्धग्रस्त क्षेत्र में हथियार का निर्यात नहीं करने की द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से चली आ रही अपनी विदेश नीति में ऐतिहासिक बदलाव का संकेत दिया है। जर्मन चांसलर ओलाफ शॉल्ज ने कहा, यह नई वास्तविकता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद जर्मनी द्वारा नाटकीय रूप से पहले की तुलना में अलग प्रतिक्रिया की जरूरत है।

बुंडस्टाग (जर्मन संसद) में शॉल्ज्स ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन द्वारा गत गुरुवार को यूक्रेन पर किए हमले ने नई वास्तविकता उत्पन्न कर दी है...और यह वास्तविकता स्पष्ट उत्तर की मांग करती है, हमने उत्तर दिया है। उन्होंने कहा कि जर्मनी यूक्रेन को टैंक रोधी हथियार और जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलें भेज रहा है। जर्मन चांसलर ने कहा कि देश (जर्मनी) अपने सैन्य बलों के लिए 100 अरब यूरो का विशेष कोष बनाने को लेकर प्रतिबद्ध है। वह रक्षा पर खर्च बढ़ाकर जीडीपी का दो प्रतिशत करेगा।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस) मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ हालांकि सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार की कमजोर शुरुआत हुई पर इसके बाद यह गिरावट से उबरकर बढ़त के साथ बंद हुआ। दिन-भर के कारोबार के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा।

कारोबार के दौरान दिग्गज कंपनियां रिलायंस इंडस्ट्रीज, ईसीआईसीआई बैंक और इन्फोसिस के शेयरों में खरीददारी से तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,025 अंक से अधिक फिसलकर 54,833.50 अंक तक नीचे आ गया। वहीं अंत में यह 388.76 अंक तकरीबन 0.70 फीसदी की बढ़त के साथ ही 56,247.28 अंक पर बंद हुआ।

इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 135.50 अंक तकरीबन 0.81 फीसदी की बढ़त के साथ ही 16,793.90 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 50 शेयरों में से 33 लाभ में जबकि 17 नुकसान में रहें। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 6.61 फीसदी की तेजी के साथ सबसे ज्यादा लाभ में टाटा स्टील के शेयर रहे। वहीं 3.29 फीसदी की बढ़त रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में रही। इसके अलावा पावर ग्रिड, टाइटन, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, इन्फोसिस और सन फार्मा के शेयर भी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर डॉ. रेड्डीज में सबसे ज्यादा 2.81 फीसदी की गिरावट रही। एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक भी गिरे हैं।

माधबी पुरी पहली बार संभालेगी सेबी की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी के बहुप्रतीक्षित आईपीओ से पहले मार्केट रेग्युलेटर सेबी में बड़ा बदलाव किया है। माधवी पुरी बुच को सेबी का नया अध्यक्ष बनाया गया है। माधवी यह पद संभालने वाली पहली महिला होंगी। वह अजय त्यागी की जगह लेगी, जिनका पांच साल का कार्यकाल सोमवार को समाप्त हो रहा है। वित्त मंत्रालय ने अक्टूबर 2021 में पद के लिए आवेदन मंगाए थे, जिसकी अंतिम तिथि छह दिसंबर, 2021 थी। हिमाचल कैडर के 1984 बैच के आईएएस अधिकारी त्यागी को एक मार्च, 2017 को तीन साल के लिए सेबी का चेयरमैन बनाया गया था। उन्हें छह महीने का सेवा विस्तार दिया गया था। अगस्त 2020 में फिर उन्हें 18 महीने का सेवा विस्तार दिया गया था। माधवी पुरी सेबी की पूर्णकालिक सदस्य भी रह चुकी हैं। उन्होंने पांच अप्रैल 2017 से चार अक्टूबर 2018 तक यह पद संभाला था। एलआईसी ने आईपीओ के लिए इसी महीने सेबी के पास मसौदा दस्तावेज जमा कराए थे।

माधवी को तीन साल के लिए सेबी का अध्यक्ष बनाया गया है। सूत्रों के अनुसार, इस पद के लिए आईएफएससीए के चेयरमैन इंजेटी श्रीनिवास और पूर्व वित्त सचिव देवाशीष पांडा भी दौड़ में थे।, लेकिन माधवी की दावेदारी उन पर भारी पड़ी। पहली बार प्राइवेट सेक्टर के किसी व्यक्ति को सेबी की कमान सौंपी है। माधवी ने अपने करियर की शुरुआत आईसीआईसीआई बैंक से की थी। फरवरी 2009 से मई 2011 तक आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की एमडी और सीईओ रही थीं। 2011 में उन्होंने सिंगापुर में ग्रेटर पेसिफिक कैपिटल एलएलपी जॉइन की थी। उनके पास फाइनेंशियल मार्केट का तीन दशक से भी लंबा अनुभव है।

सेबी में पूर्णकालिक सदस्य के तौर पर उन्होंने सर्विलांस, कलेक्टिव इनवेस्टमेंट स्कीम्स और इनवेस्टमेंट मैनेजमेंट जैसे पोर्टफोलियो हैंडल किए। सेबी में कार्यकाल खत्म होने के बाद उन्हें सात सदस्यों वाले एक्सपर्ट ग्रुप का प्रमुख बनाया गया। इसका मकसद सेबी को इनहाउस टेक्नोलॉजिकल सिस्टम्स डिजाइन में मदद करना था। सेबी से पहले वह चीन के शंघाई में न्यू डेवलपमेंट बैंक में कंसल्टैंट थीं। आईआईएम अहमदाबाद से मैनेजमेंट की पढ़ाई करने के बाद वह 1989 में आईसीआईसीआई बैंक से जुड़ी थीं। उन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से गणित में स्नातक किया है।

एफपीआई ने फरवरी में भारतीय बाजारों से 35,506 करोड़ निकाले

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी में भारतीय बाजारों से 35,506 करोड़ रुपए ?निकाले हैं। यह लगातार पांचवां महीना है जबकि एफपीआई भारतीय बाजार में बिकवाल रहे हैं। एफपीआई अक्टूबर, 2021 से लगातार भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं। फरवरी, 2022 में एफपीआई की निकासी मार्च, 2020 के बाद सबसे ऊंची रही है। उस समय एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 1,18,203 करोड़ रुपए निकाले थे। बाजार के जानकारों का कहना है ?कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा प्रोत्साहन उपायों को वापस लेने और देर-सवेर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा के बाद से एफपीआई की निकासी तेज हुई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा रूस-यूक्रेन तनाव की वजह से भी एफपीआई सतर्कता का रुख अपना रहे हैं और भारत जैसे उभरते बाजारों से दूरी बना रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने एक से 25 फरवरी के दौरान शेयरों से 31,158 करोड़ रुपए और ऋण या बांड बाजार से 4,467 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस दौरान उन्होंने हाइब्रिड उत्पादों में 120 करोड़ रुपए डाले हैं। एफपीआई का रुख डॉलर के मुकाबले रुपए के रुख, कच्चे तेल की कीमतों, अमेरिका में बांड पर प्रतिफल से तय होता। अमेरिका में 10 साल के बांड पर रिटर्न बढ़ने पर एफपीआई बांड बाजार में निवेश को तरजीह देते हैं। फिलहाल ये सभी चीजें एफपीआई को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में एफपीआई आगे और निकासी कर सकते हैं।

रूस की मुद्रा रूबल में फिर से बड़ी गिरावट

- करेंसी डॉलर के मुकाबले रूबल करीब 30 फीसदी टूटी

मास्को (ईएमएस)। यूक्रेन के साथ जारी जंग और अमेरिका व अन्य यूरोपीय देशों के साथ तनातनी के बीच रूस की मुद्रा रूबल में एक बार फिर से बड़ी गिरावट आई है। सोमवार को यह करेंसी डॉलर के मुकाबले करीब 30 फीसदी टूट गई और नए रिकॉर्ड लो लेवल पर आ गई। ऐसा माना जा रहा है कि पश्चिमी देशों के कड़े प्रतिबंधों का असर अब साफ दिखने लगा है। अमेरिका समेत कनाडा, ब्रिटेन, जापान, जर्मनी जैसे देशों ने पहले रूस के खिलाफ हल्के प्रतिबंध लगाने का फैसला किया था। हालांकि रूस पर इन कदमों का कोई असर नहीं हुआ और उसने यूक्रेन के ऊपर हमला बोल दिया। इसके बाद अमेरिका व उसके सहयोगी देशों ने प्रतिबंध कड़े कर दिए। अब न सिर्फ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन प्रतिबंधों के दायरे में आ चुके हैं। बल्कि रूस का सेंट्रल बैंक भी इसका शिकार बन चुका है। इसके अलावा रूस को इंटरनेशनल पेमेंट सिस्टम स्विफ्ट से भी बाहर करने की तैयारी है। करेंसी मार्केट में डॉलर और येन जैसी सुरक्षित करेंसीज की डिमांड तेज हो गई। रूबल डॉलर के मुकाबले करीब 20 फीसदी गिरकर 119 पर आ गया। अन्य करेंसीज को देखें तो यूरो में भी सोमवार को गिरावट देखने को मिली। यह डॉलर के मुकाबले 0.76 फीसदी, जापानी करेंसी येन के मुकाबले 0.73 फीसदी और स्विस फ्रैंक के मुकाबले 0.60 फीसदी के नुकसान में रही। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ऑस्ट्रेलियाई करेंसी में 0.75 फीसदी की गिरावट आई। न्यूजीलैंड की करेंसी 0.79 फीसदी तो ब्रिटिश स्टर्लिंग में 0.29 फीसदी की गिरावट देखने को मिली।

अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों का निलंबन अगले आदेश तक जारी: डीजीसीए

नई दिल्ली (ईएमएस)। विमानन नियामक डीजीसीए ने सोमवार को कहा कि देश में अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों के निलंबन को अगले आदेश तक बढ़ा दिया गया है। इससे पहले 19 जनवरी को निलंबन 28 फरवरी तक बढ़ा दिया गया था। कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के बाद 23 मार्च, 2020 से भारत में अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानें निलंबित हैं। हालांकि इसके बाद गठित एयर बबल व्यवस्था के तहत जुलाई 2020 से भारत और लगभग 45 देशों के बीच विशेष यात्री उड़ानें संचालित हो रही हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सोमवार को एक परिपत्र में कहा ?कि सक्षम प्राधिकारी ने भारत से अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक यात्री सेवाओं के निलंबन को अगले आदेश तक बढ़ाने का फैसला किया है। परिपत्र में कहा गया कि यह प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय मालवाहक उड़ानों तथा डीजीसीए द्वारा विशेष रूप से मंजूरी प्राप्त उड़ानों पर लागू नहीं होगा।

चीन के लॉन्ग मार्च-8 रॉकेट ने बनाया रिकॉर्ड, स्पेस में एक साथ छोड़े 22 सैटेलाइट्स

बीजिंग (ईएमएस)। चीन के नए लॉन्ग मार्च-8 रॉकेट ने रविवार को 22 उपग्रहों को अंतरिक्ष में लांच कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। चीन ने पहली बार अपने किसी एक ही रॉकेट से इतनी ज्यादा संख्या में सैटेलाइट्स को स्पेस में भेजा है। उपग्रहों को पूर्व-निर्धारित कक्षाओं में भेजने के लिए चीन के दक्षिणी हैनान प्रांत में वेनचांग अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण स्थल से ये रॉकेट रवाना किया गया।

इन उपग्रहों का उपयोग मुख्य रूप से वाणिज्यिक सुदूर संवेदन सेवाओं, समुद्री पर्यावरण की निगरानी, जंगल की आग की रोकथाम और आपदाओं से बचाव के लिए किया जाएगा। ये मिशन लॉन्ग मार्च रॉकेट की 409वीं उड़ान थी। रविवार के प्रक्षेपण के लिए इस्तेमाल किया गया 48 मीटर लंबा लॉन्ग मार्च-8 रॉकेट 198 टन के टेक-ऑफ वजन की क्षमता वाला है। बताया जा रहा है कि इस रॉकेट में गैर-विषैले और प्रदूषण मुक्त प्रणोदक का उपयोग किया गया है। इसके मूल मॉडल की तुलना में नए मॉडल में साइड बूस्टर नहीं हैं, लेकिन विभिन्न कक्षाओं में यह जरूरत के हिसाब से कई उपग्रहों को लॉन्च कर सकता है। लॉन्ग मार्च-8 चीन का नई पीढ़ी का सेटेलाइट कैरियर रॉकेट है। चाइना एकेडमी ऑफ लॉन्च व्हीकल टेक्नोलॉजी ने इसको डिजाइन किया और तैयार किया है।

ये रॉकेट सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा में चीन की लॉन्चिंग क्षमता को बढ़ा देता है। अंतरिक्ष की मध्यम और निम्न-कक्षा के लिए ये रॉकेट चीन की 80 प्रतिशत से अधिक प्रक्षेपण जरूरतों को पूरा करता है। रॉकेट के चीफ कमांडर जिओ यून ने कहा कि लॉन्ग मार्च-8 के लिए एक असेंबली और टेस्ट प्लांट वेनचांग लॉन्च साइट के बाहर बनाया जा रहा है। एक बार इसके पूरा होने के बाद लॉन्ग मार्च-8 रॉकेट के लॉन्च अंतराल को घटाकर सात दिनों तक करने की उम्मीद है। जिससे एक साल में 50 लॉन्च संभव हो सकें। इस साल 10 फरवरी को चीन ने अपने बढ़ते अंतरिक्ष उद्योग के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की। जिसमें अपने अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण को पूरा करने के लिए 50 से अधिक अंतरिक्ष प्रक्षेपण और छह मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ानें शामिल हैं।

हॉलैंड-जर्मनी के बाद अमेरिका भी यूक्रेन को देगा 500 जमीन से हवा में मार करने वाली स्टिंगर मिसाइल

वाशिंगटन (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग में जर्मनी ने शनिवार को यूक्रेन को 500 जमीन से हवा में मार करने वाली स्टिंगर मिसाइल देने का निर्णय लिया है। अमेरिका ने पहली बार यूक्रेन को स्टिंगर मिसाइलों की सीधी डिलीवरी करने को मंजूरी दी है। अमेरिका स्टिंगर मिसाइलों को कब यूक्रेन को देगा, अभी यह तय नहीं है। अमेरिकी अफसरों का कहना है कि यूएस वर्तमान में शिपमेंट के लॉजिस्टिक्स पर काम कर रहा है। जर्मनी के चांसलर कार्यालय ने शनिवार शाम को ऐलान किया कि वह यूक्रेन में जल्द से जल्द 1,000 टैंक रोधी हथियार और 500 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें भेजेगा। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने एक बयान में कहा यूक्रेन पर रूस द्वारा हमला करना एक अहम मोड़ है।

यह हमारे पूरे युद्ध के बाद की व्यवस्था को खतरा है। ऐसी स्थिति में हमारा कर्तव्य है कि पूरी क्षमता के साथ व्लादिमीर पुतिन की आक्रमणकारी सेना के खिलाफ रक्षा करने में यूक्रेन की मदद की जाए। यह खबर तब आई है जब कुछ समय पहले जर्मनी के आर्थिक और जलवायु मंत्रालय ने शनिवार शाम को एक बयान में कहा कि जर्मनी, नीदरलैंड को 400 जर्मनी निर्मित टैंक रोधी हथियार यूक्रेन को भेजने की अनुमति दे रहा है।

सरकार ने एस्तोनिया से नौ डी-30 होवित्जर तथा गोला बारूद की खेप भेजने को भी मंजूरी दे दी है। स्टिंगर मिसाइल का विकास अमेरिकी रक्षा वैज्ञानिकों ने 1980 में किया था। कंधे पर रख कर फायर की जाने वाली 35 पाउंड वजनी स्टिंगर मिसाइल में एक इंफ्रारेड सेंसर होता है जो किसी भी प्लेन को उसकी हीट से ढूंढ निकालता है। लगभग 5 फीट लंबी मिसाइल ध्वनि की गति से दोगुनी रफ्तार से चलती है और अपने टारगेट को नष्ट कर देती है।

यह मिसाइल 4500 फीट से कम ऊंचाई पर तेज गति से उड़ने वाले एयरक्राफ्ट के लिए घातक साबित हो सकती है। अमेरिका ने विदेशी धरती पर स्टिंगर मिसाइल का सबसे पहले इस्तेमाल अफगानिस्तान में किया। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने 1986 में अफगानिस्तान के लड़ाकों को स्टिंगर मिसाइल देनी शुरू की और बताया जाता है कि तब अमेरिका ने कुल करीब 2500 स्टिंगर मिसाइलें दी थीं। स्टिंगर मिसाइल हीट सीकर मिसाइल है, जो हेलीकाप्टर और फाइटर एयरक्राफ्ट से निकलने वाली गर्मी का पीछा कर इन्हें नष्ट कर देती थी। अफगानिस्तान में स्टिंगर मिसाइल के आने के बाद रूस को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ा था, जिसके तहत हेलीकॉप्टर और रूसी एयरक्राफ्ट 20 हजार फीट से अधिक की सेफ हाइट पर उड़ान भरने के जिए मजबूत हुए। रूस के पास 4,173 एयरक्राफ्ट और 1,543 लड़ाकू हेलीकॉप्टर हैं वहीं यूक्रेन के पास सिर्फ 318 एयरक्राफ्ट और 122 लड़ाकू हेलीकॉप्टर हैं। अगर यूक्रेन को स्टिंगर मिसाइल का सहारा मिले तो वह रूस के हवाई हमले का मुंहतोड़ जबाव दे सकेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को सैन्य सहायता के लिए 350 मिलियन डॉलर जारी करने का ऐलान किया है।

यूक्रेन ने रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में जनसंहार का मामला दर्ज कराया

हेग (ईएमएस)। यूक्रेन ने रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में मामला दर्ज कराया है। यूकेन ने रूस पर जनसंहार की योजना बनाने का आरोप लगाया है, साथ ही अदालत से युद्ध को रोकने के लिए हस्तक्षेप करने और रूस को क्षतिपूर्ति देने संबंधी निर्देश देने का भी आग्रह किया है। रविवार को दर्ज कराए गए मामले में अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण से मॉस्को से सैन्य अभियानों को तत्काल बंद करते हुए महत्वपूर्ण कदम उठाने संबंधी निर्देश देने का आग्रह किया गया है।

यूक्रेन पर रूस ने 24 फरवरी को हमला किया था। शिकायत में कहा गया है कि रूस ने पूर्वी यूक्रेन के लुहांस्क और दोनेत्स्क क्षेत्रों में जनसंहार के झूठे आरोप लगाते हुए आक्रमण किया और अब वह यूक्रेन में जनसंहार की योजना बना रहा है। अदालत ने एक बयान में कहा यूक्रेन इस बात से इनकार करता है कि पूर्वी क्षेत्रों में जनसंहार हुआ है और कहता है कि उसने यह साबित करने के लिए मामला दर्ज कराया है कि रूस के पास किसी भी कथित नरसंहार को रोकने और दंडित करने के उद्देश्य से यूक्रेन में और यूक्रेन के खिलाफ कार्रवाई करने का कोई कानूनी आधार नहीं है। अदालत इस मामले पर सुनवाई शीघ्र करेगी। यह अदालत देशों के बीच कानून आदि से जुड़े मतभेद मामलों की सुनवाई करती है।

जंग के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति का आरोप, मेरी हत्या कराना चाहता है रूस!

- यूक्रेन की राजधानी कीव में एयर रेड अलर्ट जारी, सरकार ने 36 घंटे का सख्त कर्फ्यू लगाया

कीव (ईएमएस)। अमेरिका ने शुक्रवार को पहली बार यूक्रेन को स्टिंगर मिसाइलों की सीधी डिलीवरी करने को मंजूरी दी है। अमेरिका स्टिंगर मिसाइलों को कब यूक्रेन को देगा, अभी यह तय नहीं है लेकिन अमेरिकी अफसरों का कहना है कि यू.एस. वर्तमान में शिपमेंट के लॉजिस्टिक्स पर काम कर रहा है। अमेरिका ने यह फैसला जर्मनी के उस ऐलान के बाद किया, जिसमें यूक्रेन को 500 स्टिंगर मिसाइल और अन्य हथियार देने का फैसला किया गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने रविवार को यूक्रेन पर रूस के हमले के मुद्दे पर 193 सदस्यीय महासभा का एक आपातकालीन विशेष सत्र बुलाया है। उधर, अमेरिका ने शुक्रवार को पहली बार यूक्रेन को स्टिंगर मिसाइलों की सीधी डिलीवरी करने को मंजूरी दी है। ये मिसाइलें व्हाइट हाउस द्वारा स्वीकृत सैन्य मदद के तहत दी जाएंगी।

यूक्रेन में 26-27 फरवरी को एक सर्वे हुआ है। इसके मुताबिक 70 फीसदी लोगों को लगता है कि जंग में यूक्रेन की जीत होगी। वहीं 91 फीसदी राष्ट्रपति जेलेंस्की को सपोर्ट कर रहे हैं। सर्वे के मुताबिक यूक्रेन के लोगों में निराशावादी विचारों की कमी और सैन्य दल के प्रति भरोसा चरम पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन संकट पर हाईलेवल मीटिंग बुलाई है। सूत्रों के मुताबिक कुछ केंद्रीय मंत्री निकासी के समन्वय के लिए यूक्रेन के पड़ोसी देशों में जा सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक यूक्रेन से लड़ाई के बीच रूस ने बड़ा ऐलान किया है। उसने विदेशी क्लांट्स पर रोक लगाई है। कहा गया है कि अब वह उनके उपकरणों को नहीं बेच सकेगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की हत्या करने के लिए 400 हथियारबंद लड़ाके कीव में प्रवेश कर चुके हैं। ये भाड़े के लड़ाके क्रेमलिन के आदेश पर कीव में घुसे हैं और किसी भी कीमत पर राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की हत्या करना चाहते हैं, ताकि कीव में रूस समर्थित सरकार बैठाई जा सके। ये सनसनीखेज दावा एक स्थानीय पत्रिका ने किया है। खबरों के अनुसार वैगनर ग्रुप, राष्ट्रपति पुतिन के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक द्वारा संचालित एक निजी मिलिशिया है। पांच सप्ताह पहले अफ्रीका से भाड़े के इन सैनिकों ने रुपये पैसे के लालच में ज़ेलेंस्की की सरकार को नष्ट करने के मिशन पर उड़ान भरी थी। इनके मिशन की जानकारी यूक्रेन की सरकार को हाल ही मिली है। इसके बाद यूक्रेन सरकार ने राष्ट्रपति की सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। इस मिशन की जानकारी मिलते ही यूक्रेन की सरकार ने राजधानी 36 घंटे का हार्ड कर्फ्यू लगा दिया गया है और नागरिकों से कहा गया है कि अगर कोई भी इस दौरान बाहर दिखा तो उसे गोली मारी जा सकती है। यूक्रेन की राजधानी कीव में एयर रेड अलर्ट जारी हो गया है। इस अलर्ट के बाद आम लोगों को जल्द से जल्द किसी सुरक्षित स्थान पर जाने के निर्देश दिए गए हैं।

रूस ने स्वीकारा उसके कुछ सैनिक मारे गए, यूक्रेन का दावा 3500 सैनिक ढेर किए

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यहां धमाकों का गूंज लगातार जारी है। जंग के बीच रूस की सेना ने रविवार को कहा कि यूक्रेन में उसके कुछ सैनिक हताहत हुए हैं। रूस ने पहली बार यह स्वीकार किया है कि यूक्रेन पर किए गए हमले में उसके सैनिक मारे गए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता मेजर जनरल इगोर कोनाशेन्कोव ने रविवार को कहा, हमारे कुछ सैनिकों की जान गई है और कुछ घायल हुए हैं। उन्होंने मृतकों और घायलों की संख्या का खुलासा नहीं किया। मेजर जनरल कोनाशेन्कोव ने कहा कि यूक्रेन के सैनिकों के मुकाबले रूस को 'काफी कम' नुकसान हुआ है। वहीं, यूक्रेन का दावा है कि उसने रूस के साढ़े तीन हजार सैनिक मार गिराए। कोनाशेन्कोव ने यह भी कहा कि गुरुवार को हमला शुरू होने से लेकर अब तक रूस की सेना ने यूकेन के 1,067 सैन्य अड्डों को निशाना बनाया है जिनमें 17 कमान पोस्ट और संपर्क केंद्र, 38 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली और 56 रडार प्रणाली शामिल हैं। कोनाशेन्कोव और यूक्रेन के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है।

चीनी शीर्ष राजनयिक ने अमेरिका से संबंधों में सुधार के लिए कदम उठाने की मांग की

बीजिंग (ईएमएस)। ताइवान, व्यापार और अन्य मुद्दों पर विवाद बढ़ने के बीच चीनी शीर्ष राजनयिक ने अमेरिका से संबंधों में सुधार के लिए कदम उठाने की मांग की थी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने शंघाई कम्यूनीक की 50 वर्षगांठ के मौके पर यह बात कही। इस पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की 1972 की चीन की यात्रा के दौरान हस्ताक्षर हुए थे। राष्ट्रपति की यात्रा के सात वर्ष पश्चात अमेरिका और चीन के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे, इसके आधार पर अमेरिका ने ताइवान के साथ औपचारिक संबंध समाप्त कर दिए थे। चीन ताइवान पर अपना दावा करता है, उसका कहना है कि इस पर नियंत्रण के लिए अगर बल का इस्तेमाल करना पड़े,तब वह इससे गुरेज नहीं करेगा। वांग ने अमेरिका से संबंधों को पटरी पर लाने के लिए ''उचित और व्यावहारिक चीन नीति बहाल करने'' की अपील की। उन्होंने चीन की शिकायत भी दोहराई कि अमेरिका अपनी प्रतिबद्धताओं को बरकरार नहीं रख रहा है। उन्होंने कहा कि पक्षों को संबंधों की समीक्षा ''व्यापक परिदृश्य में, अधिक समग्र रूख के साथ, मतभेदों के बजाए सहयोगात्मक, एकांत के बजाए खुलापन और अलग करने के बजाए जोड़ने'' आदि के आधार पर करनी चाहिए। चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि, अमेरिका को चीन को विकास में प्रतिद्वंद्वी के बजाए साझेदार के तौर पर देखना चाहिए।

गौरतलब है कि 1979 में ताइवान के साथ संबंध समाप्त करने के दौरान अमेरिकी कांग्रेस ने एक कानून पारित किया जिसमें यह आश्वासन दिया गया था कि अमेरिका सुनिश्चित करेगा कि ताइवान अपनी रक्षा खुद कर सके और द्वीप के समक्ष किसी भी खतरे का सामना कर सके। ताइवान का मुद्दा दोनों देशों के बीच तनाव के मुख्य मुद्दों में से एक है। शनिवार को चीन के रक्षा मंत्रालय ने ताइवान जलडमरू मध्य से निर्देशित मिसाइल विध्वंसक यूएसएस राल्फ जॉनसन'' के गुजरने पर आपत्ति जताई थी।

यूक्रेन पर हमले में रूस का साथ देते हुए अपने सैनिक भेज सकता है बेलारूस

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के खुफिया विभाग से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बेलारूस यूक्रेन पर रूस के आक्रमण में रूस का साथ देते हुए यूक्रेन में अपनी सेना उतार सकता है। रूस ने यूक्रेन पर पिछले सप्ताह 24 फरवरी को हमला किया था। अमेरिकी अधिकारी ने अपना नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि बेलारूस के रूस की तरफ से युद्ध में शामिल होने का फैसला आने वाले दिनों में रूस और यूक्रेन के बीच होने वाली बातचीत पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि रूसी सैनिकों को यूक्रेनी सेना से कड़ी टक्कर मिल रही है। अधिकारी के अनुसार, रूस ने जो अंदाजा लगाया था यह यूक्रेन ने पूरी तरह से गलत साबित कर दिया है।

रूस को 'तीसरे विश्व युद्ध में धकेल सकते हैं, पश्चिमी देश

कीव (ईएमएस)। बेलारूसी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने पश्चिमी देशों को मास्को पर कड़े प्रतिबंध लगाने के खिलाफ चेतावनी देकर कहा है, कि इस तरह के उपाय रूस को 'तीसरे विश्व युद्ध में धकेल सकते हैं। लुकाशेंको ने कहा, अब बैंकिंग क्षेत्र के खिलाफ बहुत सारी बातें हो रही हैं। गैस, तेल, स्विफ्ट, यह युद्ध से भी बदतर है। यह रूस को तीसरे विश्वयुद्ध में धकेल रहा है। खबर है, कि उन्होंने कहा कि परमाणु संघर्ष अंतिम परिणाम हो सकता है। 24 फरवरी को रूसी राष्ट्रपति पुतिन द्वारा आदेशित यूक्रेन के खिलाफ रूसी सैन्य हमले की पश्चिमी देशों ने निंदा कर मास्को के खिलाफ सख्त प्रतिबंधों की एक नई लहर को प्रेरित किया।

मास्को के खिलाफ नवीनतम कदम में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका ने कहा कि चयनित रूसी बैंक स्विफ्ट अंतर्राष्ट्रीय भुगतान प्रणाली से कट जाएंगे, ए

आईआईएस-अहमदाबाद की स्थापना के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय तथा टाटा इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ स्किल्स के बीच हुआ त्रिपक्षीय समझौता

कौशल के क्षेत्र में नए आयाम गढ़ रहे गुजरात के स्किल इकोसिस्टम यानी कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को ज्यादा सुदृढ़ बनाने के साथ युवाधन को कौशल युक्त शिक्षा उपलब्ध कराने के मकसद से भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) की स्थापना के लिए गुजरात और केंद्र सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय तथा टाटा आईआईएस के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता हुआ।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में सोमवार को गांधीनगर में तीनों भागीदारों ने इस त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए और समझौते का आदान-प्रदान किया। श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री ब्रिजेश मेरजा भी इस मौके पर उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि कौशल विकास के इस मिशन में आईआईएस-अहमदाबाद का विशेष स्थान है। जिस तरह से मैनेजमेंट के क्षेत्र में भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम-अहमदाबाद) और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं, उसी तरह भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) को कौशल के क्षेत्र में दुनियाभर में जाना-माना नाम बनाने के दृष्टिकोण के साथ इस शैक्षणिक संस्था की स्थापना की जा रही है।

इस संस्थान में विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीक और उपकरणों के साथ विश्वस्तरीय सर्वश्रेष्ठ तालीम और शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

इतना ही नहीं, विद्यार्थियों को उद्योगों से जुड़ी पद्धति और उपकरणों के बारे में अद्यतन ज्ञान एवं तालीम मिल सके, उसके लिए विभिन्न उद्योगों के साथ जुड़ाव भी किया जाएगा।

राज्य के युवाओं को कौशल उन्मुख अद्यतन तालीम मिले और वे कौशल क्षेत्र में आगे बढ़कर गुजरात का नाम पूरी दुनिया में रोशन करें, उस आशय से गांधीनगर के नास्मेद में अत्याधुनिक आधारभूत सुविधाओं के साथ भारतीय कौशल संस्थान-अहमदाबाद (आईआईएस-अहमदाबाद) की स्थापना की जा रही है। गुजरात सरकार ने इसके लिए 20 एकड़ जमीन आवंटित की है।

इस त्रिपक्षीय समझौते के अवसर पर श्रम एवं रोजगार विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती अंजू शर्मा, रोजगार एवं तालीम निदेशक श्री ललित नारायण सिंह संधु, भारत सरकार के अधिकारी, टाटा ट्रस्ट के मुख्य कार्याधिकारी श्री एन. श्रीनाथ, मुख्य वित्त अधिकारी श्री मेहराब ईरानी, टाटा इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ स्किल्स के मुख्य कार्याधिकारी श्री सब्यसाची दास और वरिष्ठ सलाहकार श्री श्रीनिवास सहित श्रम एवं रोजगार विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

यूक्रेन से वापस गुजरात लौटे छात्रों का गांधीनगर सर्किट हाउस में फूलों का गुलदस्ता देकर किया स्वागत

अहमदाबाद (ईएमएस) यूक्रेन-रशिया के बीच चल रहे युद्ध की स्थिति में यूक्रेन में फंसे हुए भारतीय और गुजराती छात्रों को ऑपरेशन गंगा के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और प्रयासों से स्वदेश लाया जा रहा है। इस ऑपरेशन के अंतर्गत आई पहली फ्लाईट में गुजरात के लगभग 100 युवा छात्र मुंबई और दिल्ली पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दिल्ली से वोल्वो बस के द्वारा सोमवार की सुबह गुजरात पहुंचे छात्रों का गांधीनगर स्थित सर्किट हाउस में फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया और उनका हाल-चाल पूछा। मुख्यमंत्री ने इन छात्रों के साथ बातचीत की और उनके अभिभावकों को दिलासा देते हुए कहा कि राज्य सरकार उनकी हर संभव मदद करने के लिए सदैव तैयार है। इस मौके पर शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी, प्रधान सचिव हैदर, गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम के एम.डी. एम.ए. गांधी, गांधीनगर कलेक्टर कुलदीप आर्य आदि मौजूद थे। इन छात्रों और उनके माता-पिता ने सुरक्षित स्वदेश वापसी की व्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का और गुजरात तक पहुंचाने की सुविधा के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का आभार प्रगट किया।

कल से २ रुपए बढ़ी हुई कीमत पर मिलेगा दूध

राजकोट, २८ फरवरी।

अमूल ने देशभर के मार्केट में दूध की कीमतों में २ रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है।

ताजा दरों के मुताबिक, अब १ मार्च यानी मंगलवार से अहमदाबाद और सौराष्ट्र (गुजरात) के बाजारों में अमूल गोल्ड की कीमत ३० रुपए प्रति ५०० मिलीलीटर, अमूल ताजा २४ रुपए प्रति ५०० मिलीमीटर, और अमूल शक्ति २७ रुपए प्रति ५०० मिलीमीटर मिलेगा। अब अमूल दूध कल यानी १ मार्च से अहमदाबाद और सौराष्ट्र के मार्केट में अमूल गोल्ड दूध की कीमत ३० रुपए प्रति ५०० मिलीमीटर, अमूल ताजा २४ रुपए प्रति ५०० मिलीमीटर, और अमूल शक्ति २७ रुपए प्रति ५०० मिलीमीटर मिलेगा। गुजरात कोऑपरेटिव दूध मार्केटिंग एसोसिएशन ने एक वर्ष पूरा होने से पहले दूध के दामों में इजाफा कर दिया है।

इससे पहले जुलाई २०२१ में दूध के दाम बढ़ाए थे। बढ़ी हुई कीमतें अमूल दूध के सभी ब्रांडों पर लागू होंगी, जिसमें सोना, ताजा, शक्ति, टी-स्पेशल, साथ ही गाय और भैंस के दूध शामिल हैं। करीब अब ७ माह और २७ दिन के बाद कीमतों में बढ़ोतरी की जा रही है। कंपनी ने कहा कि प्रोडक्शन कॉस्ट की बढ़ती कीमतें की वजह से यह इजाफा किया जा रहा है। अब अमूल द्वारा देशभर के मार्केट में दूध की कीमतों में २ रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। जीसीएमएफ के मुताबिक पिछले २ सालों में अमूल ने अपने ताजा दूध श्रेणी की कीमतों में प्रति वर्ष केवल ४ फीसदी की वृद्धि की है। दामों में यह इजाफा पैकेजिंग, रसद, पशु आहार लागत में वृद्धि की वजह से किया जा रहा है, इस प्रकार दूध के संचालन और उत्पादन की कुल लागत में भी इजाफा हुआ है। एसोसिएशन की मानें तो वह ग्राहकों से मिलने वाले हर १ रुपए में से करीब ८० पैसे दुग्ध प्रोडक्शन को बांट देता है। अब इस तरह दामों में बढ़ोतरी से ज्यादा दूध प्रोडक्शन के लिए पशुपालकों को प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री की कांग्रेस को नोटिस, माफी मांगे वर्ना मानहानि के दावे के लिए तैयार रहे

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कांग्रेस को कानूनी नोटिस भेज कर उसके द्वारा लगाए गए 500 करोड़ के भ्रष्टाचार के आरोप के लिए माफी मांगने की हिदायत दी गई है साथ ही चेतावनी भी दी है कि अगर कांग्रेस ने माफी नहीं मांगी वह मानहानि का दावा करेंगे बता दें कि गत 22 फरवरी को कांग्रेस नेताओं ने पत्रकार परिषद में 500 करोड़ के भ्रष्टाचार का पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी पर आरोप लगाया था अमेरिका की यात्रा से बीती रात लौटे विजय रूपाणी ने आज विपक्ष के नेता सुखराम राठवा, उप नेता शैलेष परमार, कांग्रेस के दंडक सीजे चावडा को एडवोकेट अंश भारद्वाज के मार्फत 11 पन्नों की नोटिस भेजी है नोटिस में 15 दिनों के भीतर अपने आरोपों के लिए माफी मांगने की हिदायत दी गई है अगर 15 दिनों में माफी नहीं मांगी तो सभी के खिलाफ मानहानि का दावा करने की चेतावनी भी दी गई है

सोमनाथ १२ ज्योतिर्लिंग मंदिरों में पहला माना जाता है

शिवरात्री पर सोमनाथ मंदिर ४२ घंटे के लिए खुला रहेगा

विश्वभर के लाखों लोग मंदिर की वेबसाइट, एप्स और सोशल मीडिया चैनल्स द्वारा ऑनलाइन दर्शन करेंगे

सोमनाथ, २८ फरवरी।

एक मार्च को हिंदू त्यौहार महाशिवरात्री का त्यौहार मनाया जाएगा। महाशिवरात्री यह रात का उल्लेख करता है जबकि भगवान शिव स्वर्गीय नृत्य करते है। गुजरात का सोमनाथ शिव के १२ ज्योतिर्लिंग मंदिरों में पहला माना जाता है और यह त्यौहार के दौरान वर्ष में सबसे ज्यादा संख्या में भक्तों की उपस्थिति दर्ज होती है। मंदिर पदाधिकारियों के बताये अनुसार, कोविड के बाद यह प्रथम महाशिवरात्री होने से सोमवार से भारी भीड़ होने की अपेक्षा है। भक्तों और साधुओं में जूनागढ़ का भवनाथ मेला पूरा होने के बाद दर्शन के लिए आने का ट्रेंड होने से बुधवार को भी भारी भीड़ होने की संभावना है। सोमवार से बुधवार के दौरान कुल १.५ लाख वीजिटर्स की अपेक्षा है। यह शुभ मौके पर भक्त दर्शन कर सके इसके लिए सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा सभी व्यवस्था की जा रही है। मंगलवार को सुबह में ४ बजे मंदिर भक्तों के लिए खुल जाएंगे। मंगलवार की पूरी रात मंदिर में पूजा और आरती चालू रहेगी और बुधवार की रात तक मंदिर में दर्शन के लिए आते भक्तों का लगातार प्रवाह रहेगा। निर्धारित कार्यक्रमों में सुबह में ८ बजे महामृत्युंजय यज्ञ, सुबह में ८.३० बजे ध्वजारोहण (नूतन ध्वजारोहण), सुबह में ९ बजे पालखी यात्रा, शाम को ४ से ८.३० बजे के दौरान श्रृंगार दर्शन भी शामिल है। पूरी रात विभिन्न पूजा और आरती की जाएगी। विश्वभर के लाखों लोग आरती का लाइव स्ट्रीम देखेंगे और मंदिर की वेबसाइट, एप्स और सोशल मीडिया चैनल्स द्वारा ऑनलाइन दर्शन करेंगे। अधिकारियों के बताये अनुसार करीब १० लाख लोग ऑनलाइन लोगीन होंगे और वर्च्युअल सुविधा का लाभ लेंगे ऐसी अपेक्षा है। ट्रस्ट द्वारा एक विशेष व्यवस्था की गई है जिसमें विश्वभर के भक्त १२-१२.३० एएम से ऑनलाइन इकट्ठा होंगे और साथ में मिलकर ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करेंगे। प्रसाद की होम डीलिवरी भी ऑनलाइन या देश की किसी भी पोस्ट ऑफिस में जाकर बुक किया जा सकता है।

भतीजा को घर का काम सिखाने पर पति गुस्सा हुआ

अहमदाबाद, २७ फरवरी।

शहर और राज्य में प्रतिदिन महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के केस बढ़ रहे हैं। घरेलू हिंसा, मारपीट, दहेज के लिए परेशान करने जैसे केस पुलिस स्टेशन में दर्ज हो रहे है। अहमदाबाद के पालडी क्षेत्र में रहती महिला ने शनिवार को महिला पुलिस स्टेशन में (पश्चिम) घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने सूरत में रहते इसके पति ने भतीजा को घर के कई काम सिखाने के विवाद में इसने छोड़ दिए जाने का आरोप लगाया था। शिकायत में महिला ने बताया कि, ४ फरवरी २०२० को इसने सूरत के वेसू क्षेत्र में रहते पुरूष से शादी की, जिसके बाद वह पति और सास के साथ रहने लगी थी। उनकी शादी तुरंत ही बाद, इसकी सास, ससुर और जेठ सहित के ससुराल वालों ने छोटी-छोटी बात में इसका अपमान करना शुरू कर दिया था, यह महिला ने शिकायत में बताया था। महिला ने बताया कि, इसकी गलती नहीं होने पर भी कई बार सास इसे पैर पकेड़कर माफी मांगने के लिए दबाव करती थी। उसने कहा कि, जबकि यह सभी मुद्दे पर अपने पति को कहती तब यह सुनने के बदले इसे फटकार लगाता था और मारपीट भी करता था। वर्ष २०२० में दीवाली के त्यौहार के दौरान जबकि महिला रसोई में खाना बना रही थी तब इसका जेठ का बेटा इसके पास आया था और क्या बना रही है इस बारे में पूछा। तब महिला ने इसे पूरी किस तरीके से बनाई यह सिखाया था। लेकिन जबकि इसकी सास देख लिया तब वह नाराज हो गई थी और इसे फटकार लगाई थी। सास ने महिला के मां-पिता को फोन किया था और इसे अपने साथ ले जाने को कहा। नवंबर २०२० से महिला अपने मां-पिता के घर पर रहती है। आखिर में इसने पुलिस का संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई थी।

थक गई पत्नी ने संबंध से मना करने पर पति ने पट्टे से पीटा

अहमदाबाद, २८ फरवरी।

अहमदाबाद शहर के घाटलोडिया क्षेत्र में हुई घटना में ३२ वर्ष की महिला ने शनिवार को अपने पुलिसकर्मी पति द्वारा घरेलू हिंसा के साथ अत्याचार किए जाने की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत दर्ज कराने वाली महिला का पति पाटण में ड्यूटी करता है, जबकि वर्ष २०२१ के मई महीने में पत्नी ने शारीरिक संबंध बनाने से इनकार किया था तब पति ने इसे पट्टे से पीटा था। इसके बाद से पुलिस पति लगातार विवाहिता पर अत्याचार किए जाते होने का महिला ने शिकायत में बताया है और जनवरी २०२२ में खुद को छोड़ देने का बताया है। घाटलोडिया पुलिस में लिखाई गई शिकायत में विवाहिता ने बताया है कि वह जबकि यह वर्ष २०१२ में स्पर्धात्मक परीक्षा के लिए तैयारी कर रही थी तब इसकी मुलाकात पति के साथ हुई थी। परीक्षा की तैयारी के दौरान दोनों एक-दूसरे के प्रेम में पड़ गये थे और बाद में वह शादी से बंधन से जुड़ गये थे। सितंबर २०१४ में विवाहिता पति के साथ शादी कर लिया था, और वह कच्छ स्थानांतर हो गये थे, शादी के बाद तुरंत ही पति को पुलिस में नौकरी मिल गई थी, विवाहिता की सास इसे परेशान करना शुरू किया और वह दहेज में कुछ नहीं लाई यह कहकर मानसिक परेशान करने लगी। वर्ष २०१९ में पति का तबादला पाटण में हुआ और शिकायतकर्ता विवाहिता ने पति के साथ रहना शुरू किया था। मई २०२१ में पुलिस पति एक दिन दोपहर में घर पर आया और शारीरिक संबंध बनाने की इच्छा व्यक्त की थी। पत्नी थकी हुई होने से इसने पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार कर दिया था, यह सुनकर नाराज हुए पुलिस पति ने अपने पट्टे के द्वारा पत्नी बेहोश हो गई तब तक इसे पीटा था, यह जानकारी शिकायत में विवाहिता ने बताई है। इसके बाद पति ने ३ जनवरी २०२२ को भी पत्नी को पीटा था और पूरी रात इसे घर के बाहर खड़ी रखी गई।

माननीय केंद्रीय रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने रेलवे की बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं की समीक्षा की

माननीय केंद्रीय रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शन जरदोश ने 28 फरवरी, 2022 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई में मध्य और पश्चिम रेलवे पर दोहरीकरण, विद्युतीकरण आदि जैसी रेलवे की बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं और वर्तमान में समर्पित फ्रेट कॉरिडोर और हाई स्पीड रेलवे जैसी चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर श्री अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक, मध्य और पश्चिम रेलवे, वरिष्ठ अधिकारीगण और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नेशनल हाई-स्पीड रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड और अन्य रेलवे पीएसयू के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान सभी कोविड प्रोटोकॉल नियमों का पालन किया गया।

LIC IPO के जरिये करेगा नए सफर की शुरुआत

अहमदाबाद : 65 वर्ष से भारतीय नागरिकों को जीवन बीमा की सेवाएं दे रहा भारतीय जीवन बीमा निगम (ध्ध्ण) द्वारा 13 फरवरी 2021 को **INITIAL PUBLIC OFFERING** के लिए **DRHP** फाइल किया गया है। इस **IPO** में भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा वित्त मंत्रालय भारत सरकार के माध्यम से 31, 62, 48, 885 तक के **shares** पूर्ण रूप से **OFFER FOR SALE** होंगे। इन शेयर्स का **FACE VALUE** 10 रुपऐ होगा।

एलआईसी के मैनेजिंग डायरेक्टक राज कुमार का कहना है कि, इस आईपीओ के जरिए, एलाआईसी एक नए सफ- की जोरदार शुरुआत करने जा रहा है। इस आपीओ में त्तुरंत कर्मचारियों के लिए 5 ३ से ज्यादा नहीं तथा व्यक्तिगत पॉलिसी धारकों के लिए 10३ से ज्यादा आरक्षित एंपि शामिल है। इनमे से 50 % शेयर **Qualified institutional Buyers, 15 % Non-Institutional buyers** तथा 35 % सामान्य ग्राहकों के लिए होंगे।

LIC की स्थापना 1956 में हुई तबसे अब तक के सफर में ध्ध्ण के 8 क्षेत्रीय कार्यालय, 113 मण्डल कार्यालय, 2048 शाखाएं 1554 **satellite officè** हैं 28 करोड़ 30 लाख व्यक्तिगत बीमा **policiè**.

एलाआईसी के एमडी राज कुमार ने एलआईसी की ताकतें बताई, जिसके चलते, एलआईसी – भारत का सबसे विश्वसनीय निगम बन चुका है। ''एलआईसी – आज, भारत का नंबर 1 जीवन बीमा कंपनी है, जिसका **GWP category** में 64 % मार्केट शेयर नजदीकी प्रतिस्पर्धी 8 गुना ज्यादा है।

पश्चिम रेलवे की भारोत्तोलन टीमों ने 68वें पुरुष और 7वीं महिला अखिल भारतीय रेलवे भारोत्तोलन चैंपियनशिप में बड़ी जीत हासिल की

पश्चिम रेलवे के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने नई उपलब्धियाँ हासिल कर संगठन को गौरवान्वित किया है। पश्चिम रेलवे की टीमों ने विभिन्न अखिल भारतीय रेलवे चैंपियनशिपों में भाग लिया है और जीत हासिल की है। इसी क्रम को जारी रखते हुए पश्चिम रेलवे की महिला भारोत्तोलन टीम आरसीएफएसए, कपूरथला में आयोजित चैंपियनशिप की विजेता रही और पुरुष टीम अपने वर्ग में उपविजेता रही।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अखिल भारतीय रेलवे भारोत्तोलन चैम्पियनशिप 2021-22 का आयोजन आरसीएफएसए, कपूरथला में 24 से 27 फरवरी, 2022 तक किया गया। पश्चिम रेलवे की महिला भारोत्तोलन टीम 177 के स्कोर के साथ अपराजित रही और उसने प्रथम स्थान हासिल किया। पुरुषों की भारोत्तोलन टीम ने भी 227 अंकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया और चैंपियनशिप में उपविजेता रही। पश्चिम रेलवे को अपने खिलाड़ियों पर गर्व है और उनके आगामी कार्यक्रमों और टूर्नामेंटों में उनकी सफलता की कामना करती है।

अहमदाबाद मण्डल के कोचिंग डिपो कांकरिया में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के कोचिंग डिपो कांकरिया में आज दिनांक 28 फरवरी 2022 को श्री राहुल कुमार पांडेय वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी की अध्यक्षता में स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजन किया गया। इस बैठक के दौरान प्रश्न मंच का आयोजन भी किया गया जिसमें प्रश्नों का सही उत्तर देने वाले कर्मचारियों को वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी राहुल कुमार पांडेय एवं प्रभारी राजभाषा एवं वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी जितेंद्र कुमार जयंत द्वारा पुरस्कार भी प्रदान किए गये। वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी एवं प्रभारी राजभाषा एवं वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी ने राजभाषा के बारे में बहुमूल्य मार्गदर्शन देकर कर्मचारियों को लाभान्वित किया। इस बैठक में वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी पाण्डेय, राजभाषा प्रभारी एवं वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी जयंत, सहायक मंडल मैकेनिक इंजीनियर पवन कुमार भगत सहित अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रकाश पटेल वरिष्ठ अनुवादक एवं श्रीमती वीणा रानी स्टेराकास संयोजक द्वारा बैठक का संचालन व प्रश्न मंच का सफलतापूर्वक संचालन किया।

देवी बेग शोपिंग मॉल प्रा.लि.द्वारा आठवी शाखा प्रारंभ होने के अवसर पर वृद्धाश्रम, अनाथालयों व गरीबों में मिठाई वितरण

अहमदाबाद,२८ फरवरी

देवीबेग शोपिंग मोल प्रा.लि. के निदेशक आशिष शर्मा जिन्होंने अपनी दुकान की शुरूआत एक छोटी सी दुकान से की थी। वर्तमान में उन्होंने अपने संपनों की गगनचुंबी इमारत बना दी है। और आज वह एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन कर उभरी है। आशिष शर्मा की देवी के प्रति अपार श्रद्धा साकार होकर आज अहमदाबाद के हर क्षेत्र में सात मोल के साथ उपस्थीत है और देवी की कृपा से देवी बेग शापिंग मॉल की आज ८ वी शाखा निकोल में खोली गई है। इस अवसर पर आशिष शर्मा ने देवी मां तथा अपने माता-पिता के आशीर्वाद से राजस्थान की प्रसिद्ध मिठाई खीर मोहन अहमदाबाद व सभी आसपास के क्षेत्रों के अनाथालय, ,वृद्धाश्रम व गरीबों में प्रसाद स्वरूप वितरित की। यह बताता हे कि आशिष शर्मा ऐक व्यापारी ही नही किन्तु बेहतरीन व्यक्तित्व व उदार मन के स्वामी है।

इस अवसर पर आशिष शर्मा ने बताया कि वायुगति से देवी के आशिर्वाद से देवी बेग शोपिंग मोल प्रा. लि. अहमदाबाद से लेकर गुजरात व भविष्य में देश के सभी क्षेत्रो में अपना व्याप बढायेगी।

पश्चिम रेलवे चलायेगी मुंबई तथा जयपुर/भगत की कोठी एवं भावनगर के बीच होली स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेनें

यात्रियों की सुविधा तथा होली त्योहार के दौरान यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल-जयपुर-बोरीवली, बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी-बोरीवली एवं बांद्रा टर्मिनस-भावनगर-बांद्रा टर्मिनस के बीच विशेष किराए पर होली स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन विशेष ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

1) ट्रेन नंबर 09039/09040 मुंबई सेंट्रल-जयपुर-बोरीवली सुपरफास्ट (2 फेरे.)

ट्रेन संख्या 09039 मुंबई सेंट्रल-जयपुर सुपरफास्ट स्पेशल बुधवार, 16 मार्च, 2022 को मुंबई सेंट्रल से 23.55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19.25 बजे जयपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09040 जयपुर-बोरीवली सुपरफास्ट स्पेशल गुरुवार, 17 मार्च, 2022 को जयपुर से 21.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 15.10 बजे बोरीवली पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़ और फुलेरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2 टियर और एसी 3 टियर कोच शामिल होंगे।

2) ट्रेन संख्या 09035/09036 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी-बोरीवली सुपरफास्ट (2 फेरे.)

ट्रेन संख्या 09035 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी सुपरफास्ट स्पेशल बुधवार, 16 मार्च, 2022 को बांद्रा टर्मिनस से 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.00 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09036 भगत की कोठी-बोरीवली सुपरफास्ट स्पेशल गुरुवार, 17 मार्च, 2022 को भगत की कोठी से 11.40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.15 बजे बोरीवली पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, महेसाणा, पाटन, भीलडी, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोडरन, जालोर, मोकलसर, समदड़ी और लूनी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और सेकेंड क्लास सीटिंग कोच शामिल होंगे।

3) ट्रेन संख्या 09005/09006 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस -बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट (2 फेरे.)

ट्रेन संख्या 09005 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 14 मार्च, 2022 को बांद्रा टर्मिनस से 21.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.30 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09006 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल बुधवार, 16 मार्च, 2022 को भावनगर टर्मिनस से 10.10 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 23.25 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, बोटाद, ढोला, सोनगढ़ और सीहोर जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और सेकेंड क्लास सीटिंग कोच शामिल होंगे।

ट्रेन संख्या 09039, 09035, 09005 एवं 09006 की बुकिंग 2 मार्च, 2022 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये के साथ पूर्णतः आरक्षित विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री ै.हिलिब.ग्हीहिंग्दुदन्ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों से बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

Statement of ownership and other particular about Daily Newspaper JAN HITAISHI to be published the first Issue in the every year after the last date of February.
Form IV See Rule(8).

1.Place of publication : G.M.Compound, Nr. Saherkotda Po. Stn., Saraspur, Ahmedabad-380018
2.Periodicity : Daily
3.Printer's Name, Nationality, Address : Laxmichand G. Agrawal Indian G.M.Compound, Nr. Saherkotda Po. Stn., Saraspur, Ahmedabad-380018
4.Publisher's Name, Nationality, Address : Laxmichand G. Agrawal Indian G.M.Compound, Nr. Saherkotda Po. Stn., Saraspur, Ahmedabad-380018
5.Editor's Name, Nationality, Address : Laxmichand G. Agrawal Indian G.M.Compound, Nr. Saherkotda Po. Stn., Saraspur, Ahmedabad-380018
6. Name and address of the individuals who own the Newspaper and Printers, shareholders holding more than one percente of the total Capital of the newspaper is owned by JAN HITAISHI Daily prsence holding more than one percents of total are as under :
Laxmichand G. Agrawal G.M.Compound, Nr. Saherkotda Po. Stn., Saraspur, Ahmedabad-380018 hereby declares that the particulers given above are true to the best of my knowledge and belief.

Date : 1 March 2022 — Laxmichand G. Agrawal, Owner, Printer & Publisher

मुंबई से जयपुर / भगत की कोठी / भावनगर के बीच होली स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेन

ट्रेन क्रमांक	प्रारंभिक एवं गंतव्य स्टेशन	सेवा तिथि	प्रस्थान	आगमन
09039	मुंबई सेंट्रल-जयपुर	16 मार्च 2022	23.55 बजे (बुधवार)	19.25 बजे (अगले दिन)
09040	जयपुर-बोरीवली	17 मार्च 2022	21.15 बजे (गुरुवार)	15.10 बजे (अगले दिन)
हॉल्ट स्टेशन- बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाना, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़ जं., ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़ और फुलेरा स्टेशन दोनों दिशाओं में। **संरचना-** फर्स्ट एसी, एसी-2 टीयर और एसी-3 टीयर कोच.				
09035	बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी	16 मार्च 2022	11.00 बजे (बुधवार)	04.00 बजे (अगले दिन)
09036	भगत की कोठी-बोरीवली	17 मार्च 2022	11.40 बजे (गुरुवार)	04.15 बजे (अगले दिन)
हॉल्ट स्टेशन- बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, महेसाना, पाटन, भीलड़ी, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरान, जालोरा, मोकलसर, समदड़ी और लूनी स्टेशन दोनों दिशाओं में। **संरचना-** एसी-2 टीयर, एसी-3 टीयर , स्लीपर क्लास और सेकण्ड क्लास के सीटिंग कोच.				
09005	बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस	14 मार्च 2022	21.45 बजे (सोमवार)	10.30 बजे (अगले दिन)
09006	भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस	16 मार्च 2022	10.10 बजे (बुधवार)	23.25 बजे (उसी दिन)
हॉल्ट स्टेशन- बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, बोटाद, ढोला, सोनगढ़ और सिहोर जंक्शन स्टेशन दोनों दिशाओं में। **संरचना-** एसी-2 टीयर, एसी-3 टीयर , स्लीपर क्लास और सेकण्ड क्लास के सीटिंग कोच.				

उपरोक्त ट्रेनों के हॉल्ट एवं विस्तृत समय के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर विजिट करें।

यात्रियों को बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य पर पहुँचने पर COVID-19 से संबंधित सभी मानदंडों और एसओपी का पालन करने की सलाह दी जाती है।

ट्रेन नं. 09039, 09035, 09005 व 09006 के लिए बुकिंग 02/03/2022 से PRS काउंटर एवं IRCTC वेबसाइट पर शुरु होगी। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर पूर्णतः आरक्षित तौर पर चलेगी।

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly
आज़ादी का अमृत महोत्सव

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के साथ अपना मूल परिचय पत्र भी साथ रखें।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95